



कैलेंडर

subhasaverenews@gmail.com
facebook.com/subhasaverenews
www.subhasavere.news
twitter.com/subhasaverenews

सुप्रभात

यदि स्वर्ग कहीं है पृथ्वी पर, तो वह नारी उर के भीतर,

दल पर दल खोल हृदय के अस्तर जब बिटलाती प्रसन्न होकर वह अमर प्रणय के शतदल पर!

मादकता जग में कहीं अगर, वह नारी अधरों में सुखकर,

क्षण में प्राणों की पीड़ा हर, नव जीवन का दे सकती वर वह अधरों पर धर मदिराधर।

यदि कहीं नरक है इस भू पर, तो वह भी नारी के अन्दर,

वासनावर्त में डाल प्रखर वह अंध गर्त में चिर दुस्तर नर को ढकेल सकती सत्वर।

- सुमित्रानन्दन पंज

प्रसंगवश

बेतहाशा गिर रहे रूपए की चाल आखिर कैसे सुधरेगी?

अरविंद मोहन

जिस दिन डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत लगातार तीसरे दिन बढ़ी और दस दिनों के अंदर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में चौथी बार इजाफा हुआ उस दिन पेट्रोल डीजल की चर्चा छोड़कर डॉलर रुपये की बात करना इसलिए भी ज्यादा जरूरी लगता है कि यह मोदी सरकार का सर्वाधिक उपेक्षित प्रबंधन का विषय रहा है। कहना न होगा कि कांग्रेस और यूपीए सरकार की हर कमजोरी को निशाना बनाने वाले नरेंद्र मोदी डॉलर की गिरावट को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाया था। अगर मोदी जी और उनके शिष्य या उस्ताद बाबा रामदेव मोदी राज में डॉलर की आकात बताने वाला रेट लाने की बात करते थे तो अरुण जेटली जैसे लोग रुपये की गिरावट को मुल्क की इज्जत की गिरावट से जोड़ रहे थे। अब यह हिसाब लगाने की भी चीज नहीं रह गया कि तब डॉलर का रेट क्या था और अब क्या है। और डॉलर या बड़ी मुद्राओं के मुकाबले रुपये की गिरावट को निर्यात के लिए लाभकर बताने वाले भी अब स्वीकार करने लगे हैं कि आज की स्थिति नुकसानदेह हो गई है। और तो और रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मलहोत्रा ने भी एक आर्थिक अखबार को दिए इंटरव्यू में स्वीकार किया है कि रुपया 'ओवरवैल्यू' नहीं 'अंडरवैल्यू' है। रिजर्व बैंक गवर्नर के इस इंटरव्यू के अगले दिन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी एक आयोजन में कहा कि तीन 'एफ' - हमारी अर्थव्यवस्था के लिए बेहद अहम हैं जिनमें फ़ोरेन करेंसी भी एक है। इन दोनों शीर्षस्थ लोगों के इन बयानों के संग संग रिजर्व बैंक और सरकार द्वारा

ऐसे प्रयासों की झलक भी मुद्रा बाजार में दिखी जिससे रुपया कुछ स्थिर हो या चढ़े। जिन तीन दिनों के सुधार की चर्चा ऊपर है वे भी तेल के आयात बजट को कम करते हैं। लेकिन इस सरकारी कवायद में कितना कुछ गंभीर है और कितना तात्कालिक, कहना मुश्किल है। बल्कि जब भरभराकर गिरा, ऐसा बाजार के कथित तकनीकी विशेषज्ञों का हिसाब रहता है जो शेयर बाजार के मामले में ज्यादा लागू होता है। पर जाहिर तौर पर शेयर हों या मुद्रा वे तकनीकी आधार पर नहीं चलते। वे तो आर्थिक कामकाज और उनकी सफलता विफलता के साथ सरकारी फैसलों, प्राकृतिक कारणों से लेकर बाजार की मांग समेत ठोस आर्थिक कारणों से चलते हैं। हमारी मुश्किल यह है कि हमने रुपये और उससे भी ज्यादा शेयर बाजार को सिर्फ प्रबंधन का मामला बनाने का प्रयास किया है। अधिकांश निवेश साझा कोषों के माध्यम से होने लगा है और उसका धन तरह-तरह से इकट्ठा किया जा रहा है, जिसमें बाजार में निवेश और घर बैठे मोटी कमाई के लालच का हिस्सा काफी बड़ा होगा। लेकिन जब वेतन और प्रोविडेंट फंड से साझा कोषों को जोड़ा जाए और बाजार की हर गिरावट पर इन साझा कोषों को कठपुतलियों की तरह संचालित करके एक नकली उभार या उफान दिखाया जाए तो यह खेल एक सीमा तक ही चल सकता है। उदारीकरण की शुरुआत से यह खेल शुरू हुआ है, लेकिन अब तो बाजार कुछ अदृश्य 'तेजड़ियों' की पूरी गिरफ्त में आ गया है। और यह हमारे निवेशकों और साझा कोष के प्रबंधकों को चाहे जिस वजह से समझ न

आये लेकिन बाजार जानने वाला हर आदमी जानता है कि हमारे अधिकांश शेयर अपने वास्तविक मूल्य से काफी ऊपर चल रहे हैं। इस एहसास के साथ पिछले साल डेढ़ साल में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने अपनी पूंजी निकाली है। डॉलर की मांग बढ़ने और रुपये के मुकाबले चढ़ने की एक बड़ी वजह विदेशी पूंजी को निकालना भी है। सब कुछ जानकर भी इस पूंजी पलायन को थामने का कोई प्रयास नहीं हुआ है। उसकी जगह साझा कोषों के माध्यम से देसी पूंजी भरी गई है। डॉलर की मांग सिर्फ विदेशी संस्थागत निवेशकों के हाथ खींचने से ही नहीं बढ़ी है। यह विदेश व्यापार के असंतुलन और चालू खाते के घाटे से भी जुड़ा मामला है। हमारी कंपनियों ने विदेशों में निवेश किया है जो सामान्य ढंग से अच्छी बात है, लेकिन खास परिस्थिति में चिंता की भी बात है। हमारे बच्चे कम संख्या में विदेश पढ़ने जा रहे हैं, लोगों की विदेश यात्राओं पर खर्च कम हुआ है। इनसे राहत मिलनी चाहिए थी और मिली भी होगी, पर गिरावट का बढ़ना ज्यादा चिंता की बात है। अगर हमारी मुद्रा साल भर में ग्यारह फीसदी तक गिरी है तो इसे सिर्फ खाड़ी युद्ध का असर बताना बहानेबाजी है। इसी दौर में दुनिया के कई देशों की मुद्राएं मजबूत हुई हैं तो कई की गिरावट हमसे बहुत कम रही है। वियतनाम, बाल्तादेश और श्रीलंका जैसे देशों की मुद्राओं में सुधार हुआ है। यह निश्चित है कि खाड़ी युद्ध ने तेल की कीमतों में बढ़ोत्तरी करके हमारे विदेश व्यापार के घाटे का बोझ बढ़ा दिया है लेकिन यह भी सच है कि इस अवधि में हमें वैसा संकट नहीं झेलना पड़ा जैसा काफी

सारे देशों में देखने में आया है। पर तेल का खेल हमारी सरकार जिस तरह खेलती रही है वह सामान्य तर्क से परे है। हम रूसी तेल छोड़कर वेनेजुएला से तेल लें और वह भी ज्यादा गंदगी वाला, ज्यादा ढुलाई खर्च वाला, यह किससे समझ आएगा। और रूस से तेल लेने न लेने का फैसला अचानक टुप्य क्यों करने लगे हैं और हम उसे मानने लगे हैं, यह समझना और मुश्किल है। चुनाव हो तो तेल की कीमत न बढ़ाई जाए और चुनाव बीतते ही कीमतें धारावाहिक हिसाब से बढ़ें, यह बात भी हैरान करती है। जीएसटी को आये दसके साल हो गए, जाने कितने हिवोजन हो गए लेकिन पेट्रोलियम को उसके दायरे में कब लाया जाएगा, अभी भी अस्पष्ट है। और तब तक सरकार कई तरह के करों के सहारे हर साल लाखों करोड़ रुपये अतिरिक्त वसूलती जा रही है। ग्यारह बारह वर्षों में चालीस लाख करोड़ रुपये के अतिरिक्त वसूली का अनुमान है। और अब प्रधानमंत्री आर्थिक तरक्की की शान की जगह आर्थिक मुश्किलों का रोना क्यों रोने लगे हैं। यह कीमतें बढ़ने के बहाने के तौर पर देखा जा रहा है। सो बारह साल में अगर डॉलर की तेजी थामने और रुपये को सम्मानजनक स्थान पर ले जाने का कोई एक भी गंभीर प्रयास नहीं हुआ है तो अभी भी वित्त मंत्री और रिजर्व बैंक के गवर्नर की बातचीत में गंभीरता नहीं दिखती। सारा नजरिया झाड़-फूंक वाला है, हर स्थिति का राजनीतिक लाभ लेने वाला है। ऐसे में यह बीमारी ठीक नहीं हो सकती।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

समर्थ सीबीआई रिमांड पर, गिरीबाला की अग्रिम जमानत पर सुनवाई, फैसला सुरक्षित

मप्र सरकार ने जमानत पर आपत्ति जताई, जांच में सहयोग नहीं करने का आरोप



जबलपुर/भोपाल (एजेंसी)। एक्ट्रेस दिवशा शर्मा की मौत के मामले में एसआईटी ने आरोपी पति समर्थ सिंह को बुधवार को भोपाल कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उसे 29 मई तक सीबीआई रिमांड पर भेज दिया। सीबीआई की टीम समर्थ को लेकर उसके घर पहुंची है। घटनास्थल का निरीक्षण किया जा रहा है। वहीं, रिटायर्ड जज और सास गिरीबाला सिंह की अग्रिम जमानत रद्द करने की मांग वाली याचिका पर एमपी हाईकोर्ट के जस्टिस देवनायराय मिश्र की अदालत में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। एमपी सरकार और दिवशा के पिता नवनिधि शर्मा ने अग्रिम जमानत पर आपत्ति दर्ज कराई थी। दिवशा के पिता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने पैरवी की।

जांच अब सीडीआर, मोबाइल लोकेशन जैसे डिजिटल सबूतों पर केंद्रित

मामले की जांच अब डिजिटल सबूतों पर केंद्रित है। मंगलवार को पुलिस ने भोपाल कोर्ट को बताया कि घटना से जुड़े मोबाइल नंबरों की सीडीआर और टावर लोकेशन सुरक्षित रखने के लिए टेलीकॉम कंपनियों को पत्र भेजे गए हैं। यह जवाब दिवशा के परिजन के आवेदन पर पेश किया गया। आवेदन में दावा किया गया है कि मौत के बाद गिरीबाला सिंह ने 46 नंबरों पर कॉल किए थे। इनमें कुछ नंबर न्यायिक अधिकारियों और जांच एजेंसियों से जुड़े लोगों के भी थे।

समर्थ बोला- दिवशा से रिश्ता तनावपूर्ण

पूछताछ में समर्थ ने कहा कि उसका और दिवशा का रिश्ता तनावपूर्ण था, लेकिन उसने किसी भी तरह की शारीरिक हिंसा से इनकार किया। उसने माना कि दोनों के बीच अक्सर झगड़े होते थे, लेकिन दावा किया कि यह वैवाहिक तनाव का हिस्सा था, हिंसा नहीं। समर्थ के मुताबिक, मार्च तक उनकी शादी सामान्य थी, लेकिन दिवशा के भाई की शादी के बाद तनाव बढ़ने लगा। जांचकर्ताओं ने समर्थ से पूछा कि दिवशा से उसकी पहली मुलाकात कैसे हुई, शादी से पहले दोनों कितने समय तक दोस्त रहे और शादी के पांच महीने के भीतर क्या बदल गया। और मेरी मां बच्चा चाहते थे, लेकिन गर्भ ठहरने के बाद से ही दिवशा तनाव में रहने लगी थी। दिवशा के परिवार का आरोप है कि गर्भावस्था से जुड़े विवाद के बाद ही उनका मानसिक इलाज और दवाएं शुरू हुईं। इस दौरान दिवशा का वजन लगभग 15 किलो कम हो गया था। पूछताछ का एक बड़ा हिस्सा दिवशा की मानसिक स्थिति को लेकर रहा।



सीबीआई ने पति के साथ क्राइम सीन रिक्रिएट किया

एक्ट्रेस दिवशा शर्मा की मौत के मामले में एसआईटी ने आरोपी पति समर्थ सिंह को बुधवार को भोपाल कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उसे 29 मई तक सीबीआई रिमांड पर भेज दिया। सीबीआई की टीम समर्थ को लेकर उसके घर पहुंची। यहाँ सीन रिक्रिएशन किया गया।

एजी बोले- जमानत की शर्तों का बर्बरता से उल्लंघन किया

सरकार की ओर से महाधिवक्ता (एजी) प्रशांत सिंह ने कोर्ट से कहा- अदालत देख सकती है कि जमानत की शर्तों का कितनी बर्बरता से उल्लंघन किया गया। नोटिस जारी होने की तारीखें रिकॉर्ड में हैं। अदालत स्वयं उन्हें देख सकती है। तारीखों की सूची का हवाला दे रहा हूँ। हम आरोपियों की तरह ट्रायल कोर्ट में अजीब सामग्री पेश नहीं कर रहे हैं। एजी ने यह भी कहा कि मैं केवल केस डायरी में मौजूद दस्तावेज को ही पढ़ रहा हूँ, ताकि अदालत को सुविधा हो। इस पर आरोपी पक्ष के वकील ने आपत्ति जताते हुए कहा- हमने यह सामग्री नहीं देखी है। आपको हमें यह दिखाना होगा। जवाब में एजी ने कहा, आप जांच में सहयोग करेंगे, तब हर सामग्री मिल जाएगी। यह सब केस डायरी का ही हिस्सा है।

एजी प्रशांत की 5 दलीलें

- आरोपी ने जांच में सहयोग नहीं किया- दो बार नोटिस भेजे गए, लेकिन आरोपी पक्ष ने नोटिस लेने से भी इनकार कर दिया। बाद में व्हाट्सएप पर नोटिस भेजना पड़ा।
- एफआईआर के एक घंटे में मिल गई अग्रिम जमानत- एजीजी ने कहा कि इतनी गंभीर एफआईआर दर्ज होने के सिर्फ एक घंटे के भीतर जमानत दे दी गई, जबकि जांच शुरूआती चरण में थी।
- आरोपी का रवैया 'लुका-छिपी' जैसा-एजीजी बोले कि आरोपी जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं हुई और लगातार बचने की कोशिश करती रही।
- प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए समय, जांच के लिए नहीं- आरोपी सार्वजनिक मंचों पर सक्रिय रहें, उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की, लेकिन जांच में सहयोग नहीं किया।
- ट्रायल कोर्ट ने गंभीर आरोप नजरअंदाज किए- ट्रायल कोर्ट ने केस डायरी और अभियोजन की सामग्री को नजरअंदाज कर आरोपी पक्ष के दस्तावेजों पर ज्यादा धरोसा किया।

खाई में गिरा पिकअप वाहन, 3 मजदूरों की मौत

जाबद (नप्र)। नीमच जिले के सिंगोली क्षेत्र के तिलस्वा घाट पर मंगलवार रात (26 मई) एक पिकअप वाहन बेकाबू होकर गहरी खाई में गिर गया। हादसे में तीन मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। पिछले दो दिनों में इसी घाट पर यह दूसरा बड़ा हादसा है। जानकारी के मुताबिक राजस्थान के धौलपुर से बांसवाड़ा की ओर जा रहा पिकअप वाहन रात करीब 10 बजे तिलस्वा घाट के खतरनाक मोड़ पर बेकाबू हो गया। वाहन में पेट की बाल्टियां लोड थीं, जिनके ऊपर मजदूर बैठे हुए थे। संतुलन बिगड़ने से वाहन सीधे खाई में जा गिरा। बाल्टियों में भरा कलर शवों पर गिरा। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

यूपी और जयपुर के रहनेवाले थे मजदूर

हादसे का शिकार हुए मजदूर बरेली (उत्तर प्रदेश), गाजीपुर और राजस्थान के जयपुर के रहने वाले थे। वे आंगनवाड़ी भवन निर्माण कार्य के लिए जा रहे थे। घायलों की पहचान मोहम्मद जाकिर (40), इंदरसी और सोमपाल के रूप में हुई है। सिंगोली अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में उन्हें कोटा रेफर किया गया है।

प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा

हादसे की सूचना पर सिंगोली थाना प्रभारी जितेंद्र वर्मा और तहसीलदार प्रेमशंकर पटेल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। राहगीरों की मदद से शवों को खाई से निकालकर सिंगोली अस्पताल की मॉर्चुरी में रखवाया गया।

एसआईआर मनमाना नहीं, संवैधानिक है

● चुनाव आयोग शर्तों के साथ नागरिकता जांच सकता है, एसआईआर में 13 राज्यों में 7.41 करोड़ नाम कटे



नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) को वैध और संवैधानिक करार दिया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने बुधवार को कहा कि एसआईआर मनमाना नहीं है और चुनाव आयोग को यह प्रक्रिया

चलाने का अधिकार है। कोर्ट ने कहा, चुनाव आयोग वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने या हटाने के लिए नागरिकता की जांच कर सकता है, लेकिन यह फैसला सिर्फ चुनावी उद्देश्यों तक सीमित रहेगा। किसी व्यक्ति को अंतिम रूप से गैर-नागरिक घोषित करने का अधिकार आयोग के पास नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि संविधान नागरिकता के आधार पर लिये जा रहे नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं, उनके नाम 4 हफ्ते में केंद्र सरकार को भेजा जाए। वहीं भाजपा ने विपक्ष को कहा आपके करारा झटका लगा है। जून 2025 में बिहार से शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया अब तक 10 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में पूरी हो चुकी है। इस दौरान 7.41 करोड़ वोटर्स के नाम हटाए गए, जिनमें सबसे ज्यादा 2.89 करोड़ नाम उत्तर प्रदेश से कटे। बिहार के बाद पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में भी एसआईआर कराया गया, जबकि असम में स्पेशल रिवीजन (एसआर) हुआ।

विपक्ष का आरोप- लोगों से वोटिंग का अधिकार छीना जा रहा

विपक्षी का आरोप है कि इस प्रक्रिया से लोगों को वोटिंग के अधिकार से वंचित करने की साजिश हो रही है। विपक्ष का कहना है कि 2003 से आज तक करीब 22 साल में बिहार में कम से कम 5 चुनाव हो चुके हैं, तो क्या वे सारे चुनाव गलत थे। अगर चुनाव आयोग को एसआईआर करना था तो इसकी घोषणा जून के अंत में क्यों की गई। इसका निर्णय कैसे और क्यों लिया गया। अगर मान भी लिया जाए कि एसआईआर की जरूरत है तो इसे बिहार चुनाव के बाद आराम से किया जा सकता था। इतनी हड़बड़ी में इसे करने का फैसला क्यों लिया गया।

अफ्रीकी देशों से अहमदाबाद आए 11 लोग आइसोलेशन में

● सरकार बोली- भारत में इबोला का कोई केस नहीं

बेंगलुरु (एजेंसी)। अफ्रीकी देशों में इबोला वायरस फैलने के चलते युगांडा, दक्षिण सूडान और कांगो से अहमदाबाद आए 11 मरीजों को होम आइसोलेशन में रखा गया है। अहमदाबाद कॉन्फिनेशन के अधिकारी डॉ. भाविन सोलंकी ने बताया कि प्राथमिक जांच में इनमें से कोई भी संदिग्ध नहीं पाया गया है। लेकिन, पहिचान यह कदम उठाया है। वहीं, भारत सरकार ने बुधवार को बताया कि देश में इबोला वायरस से जुड़ा एक भी मामला नहीं है। सरकार को यह स्पष्टीकरण इसलिए देना पड़ा क्योंकि युगांडा से भारत आई एक महिला में इबोला जैसे लक्षण देखे गए थे। हालांकि बाद में महिला की रिपोर्ट नेगेटिव आई। महिला 23 मई को बेंगलुरु एयरपोर्ट पहुंची थी। जिसके बाद उसे एहतियातन सरकारी अस्पताल में आइसोलेशन में रखा गया। महिला के शरीर में हल्का दर्द था, हालांकि अब वह पूरी तरह स्वस्थ है। अफ्रीकी देश कांगो से फैला वायरस युगांडा तक पहुंच गया है। युगांडा में इबोला के 8 मामले सामने आ चुके हैं।





आज सिद्धारमैया इस्तीफा दे सकते हैं

● मंत्रियों को ब्रेकफास्ट पर बुलाया, डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की तैयारी

नई दिल्ली/बंगलुरु (एजेंसी)। दिल्ली में मंगलवार को कांग्रेस नेताओं ने कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के साथ बैठक की। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया आज गुरुवार को इस्तीफा दे सकते हैं। पार्टी उनकी जगह उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को सीएम बना सकती है। दोनों नेताओं की मंगलवार को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सांसद राहुल गांधी के साथ 6 घंटे तक बैठक हुई।

मोडिया सूत्रों के मुताबिक, बैठक में राहुल गांधी ने सिद्धारमैया से सीएम पद से इस्तीफा देने का कहा और उन्हें राज्यसभा भेजने का ऑफर दिया। साथ ही उन्हें दिल्ली में बड़ी राष्ट्रीय भूमिका निभाने को कहा है।



मोडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कुछ समर्थकों से चर्चा के बाद सिद्धारमैया ने कहा कि वे हार्दिकमान का फैसला मानेंगे। उन्होंने गुरुवार सुबह मंत्रियों को ब्रेकफास्ट मीटिंग के लिए बुलाया है। इसी दिन सिद्धारमैया इस्तीफा दे सकते हैं।

सीएम बोले-

शिवकुमार के नीचे काम नहीं करूंगा- सूत्रों के मुताबिक पहले सिद्धारमैया ने इस्तीफा देने से इनकार कर दिया था। सिद्धारमैया ने पार्टी नेतृत्व से कहा था कि अगर मुझे हटाया गया तो पार्टी टूटेगी, क्योंकि 50-60 विधायक मेरे साथ होंगे। मैं डीके शिवकुमार के नीचे काम नहीं करूंगा।

● ईरान बोला- अमेरिका से समझौते का ड्राफ्ट तैयार

एक महीने के भीतर होर्मुज में जहाजों की आवाजाही शुरू होगी, अमेरिका नौसैनिक घेराबंदी हटाएगा

तेल अवीव/तेहरान/वाशिंगटन डीसी (एजेंसी)। ईरान ने दावा किया है कि अमेरिका के साथ संभावित समझौते का ड्राफ्ट तैयार हो गया है। रॉयटर्स के मुताबिक ईरान के सरकारी टीवी ने एक शुरुआती और अनौपचारिक दस्तावेज मिलने का दावा किया है, जिसमें अमेरिका-ईरान समझौते का ढांचा तैयार किया गया है।

ड्राफ्ट के अनुसार अमेरिका ईरान के आसपास से अपनी सैन्य मौजूदगी हटाएगा और नौसैनिक घेराबंदी खत्म करेगा। इसके बदले ईरान 30 दिनों के भीतर होर्मुज स्ट्रेट में व्यावसायिक जहाजों की आवाजाही को युद्ध से पहले के स्तर पर बहाल करेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह व्यवस्था अमेरिकी सैन्य जहाजों पर लागू नहीं होगी। होर्मुज में जहाजों की आवाजाही का प्रबंधन ईरान और ओमान मिलकर करेंगे।



संक्षिप्त समाचार

चुनाव से पहले योगी सरकार का बड़ा दांव

50 हजार बेटियों को फ्री स्कूटी मिलेगी

लखनऊ (एजेंसी)। योगी सरकार यूपी विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बड़ा दांव खेलने जा रही है। इस साल 50 हजार से ज्यादा मेधावी बेटियों को फ्री स्कूटी देने की तैयारी है।



सरकार 2022 विधानसभा चुनाव के वक्त किए गए वादे को पूरा करने जा रही है। इसके लिए 400 करोड़ रुपए का बजट भी तय हो चुका है।

ईवी या पेट्रोल स्कूटी? शासन में चल रहा मथन- ईवी स्कूटी पर ज्यादा जोर- शासन का मानना है कि बेटियों को पेट्रोल स्कूटी देने से उन पर पेट्रोल का खर्च बढ़ेगा। इसके बजाय इलेक्ट्रिक स्कूटी देना ज्यादा कारगर होगा। इससे वे कम खर्च में कॉलेज आ-जा सकेंगी। साथ ही परिवार पर ज्यादा आर्थिक बोझ भी नहीं पड़ेगा।

टीएमसी सांसद काकोली घोष ने दिया इस्तीफा

● कहा- आम कार्यकर्ता की तरह पार्टी से जुड़ी रहूंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में तुणमूल कांग्रेस की सांसद काकोली घोष दस्तौदार ने पार्टी के सभी संगठनात्मक पदों से इस्तीफा दे दिया है। बारासात से



सांसद घोष ने बुधवार को तुणमूल अध्यक्ष सुब्रता बख्शी को लिखे पत्र में कहा कि वह गहरे मानसिक संघर्ष और लंबे चिंतन के बाद पद छोड़ रही हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि वे आम कार्यकर्ता की तरह पार्टी से जुड़ी रहेंगी। काकोली सोमवार को कल्याणी में मुख्यमंत्री शुभेदु अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित एक बैठक में शामिल हुई थीं। जबकि पार्टी ने उन्हें ऐसा करने से अनौपचारिक रूप से मना भी किया था। पार्टी से जुड़े सूत्रों का दावा है कि उनके साथ कुछ और टीएमसी नेता भी शुभेदु की बैठक में शामिल हुए थे।

गुजरात के कच्छ से 1180 करोड़ की कोकीन जल

● ब्राजील से आई खेपे दिल्ली भेजने की तैयारी थी, तीन विदेशी गिरफ्तार

कच्छ (गुजरात) (एजेंसी)। गुजरात में कच्छ से करीब 1180 करोड़ रुपए कीमत की 118 किलो कोकीन जब्त की गई है। इस मामले में अब तक तीन आरोपियों को अरेस्ट किया गया है। अरेस्ट किए गए तीनों ही आरोपी विदेशी हैं।

पीएम मोदी से दिल्ली में तमिलनाडु सीएम विजय ने मुलाकात की

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जयशंकर विजय ने बुधवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री से मुलाकात की। मुख्यमंत्री बनने के बाद विजय की प्रधानमंत्री के साथ यह पहली औपचारिक बैठक है।



बाँयफ्रेंड भी इसी घर में रहेगा पति ने किया विरोध तो फोड़ा सिर



ग्वालियर (नप्र)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। ग्वालियर एसपी की जनसुनवाई में एक पति अपनी फरियाद लेकर आया था। उसकी पत्नी बच्चों के साथ घर छोड़कर चली गई है। उसकी शादी के 18 साल हुए हैं। अब किसी से उसे प्यार हो गया है और उसकी जिद है कि उसका बाँयफ्रेंड भी इसी घर में रहेगा।

एसपी के पास शिकायत लेकर पहुंचा पति- दरअसल, महिला के पति का नाम राजकुमार कुशवाह है। वह ग्वालियर स्थित सिकंदर कंू निवासी है। उसकी शादी 2008 में पूनम कुशवाह के साथ हुई थी। पति राजकुमार अपनी फरियाद लेकर ग्वालियर एसपी की जनसुनवाई में पहुंचा था। उसका कहना था कि पत्नी अपने बाँयफ्रेंड को भी घर में रखने की जिद कर रही है। फोड़ दिया मेरा सिर- पति का आरोप है कि इस बात का हमने विरोध किया तो उसने मेरा सिर फोड़ दिया है। शादी के बाद राजकुमार और पूनम की तीन बेटियाँ और एक बेटा है। उसने बताया कि शादी के बाद सब कुछ सामान्य था लेकिन अब स्थिति बिगड़ रही है। बाँयफ्रेंड को घर में रखना चाहती है पत्नी- वहीं,

पीड़ित पति का आरोप है कि उसे किसी युवक से प्यार हो गया। वह शर्त रख रही है कि हम तीनों एक ही छत के नीचे रहेंगे। साथ ही कह रही है कि अगर मेरा बाँयफ्रेंड इस घर में नहीं रहेगा तो मैं भी नहीं रहूंगी। इसके बाद से घर में लगातार तनाव बढ़ रहा है और विवाद की स्थिति बन गई है। पुलिस ने कहा युवक की शिकायत पर जांच की जा रही है। पति ने महिला के किसी व्यक्ति के साथ संबंध होने का आरोप लगाया है।

घर छोड़कर पत्नी चली गई- पति ने कहा कि विरोध करने पर उसने मेरा सिर फोड़ दिया। पांच मई 2026 को वह अपने बच्चों को लेकर घर से चली गई। इसके बाद कोई संपर्क नहीं है। साथ ही मुझे झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी है। घर से वह गहने और नकदी रुपए भी ले गई। साथ ही कहा है कि हत्या करवा दूंगी। जनवरी में भी छोड़ चुकी है घर- महिला पूनम इससे पहले 22 जनवरी 2026 को भी घर छोड़कर जा चुकी है। दो महीने बाद मार्च 2026 में लौटकर आई थी। पति का आरोप है कि महिला का कमल सेन नाम के युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा है। वह उसी के साथ रह रही है।

कुपोषण का कलंक ?

मैहर (नप्र)। मध्य प्रदेश में महिला एवं बाल विकास और स्वास्थ्य विभाग की तमाम योजनाओं को धता बताती एक बेहद संवेदनशील और चिंताजनक तस्वीर सामने आई है। 5 साल का एक मासूम बच्चा भूख और बीमारी के कारण हड्डियों का ढांचा बनकर रह गया है। उसके शरीर का मांस पूरी तरह सूख चुका है और पसलियां साफ दिखाई दे रही हैं। अत्यधिक कमजोरी और सूखा रोग (कुपोषण) से पीड़ित इस बच्चे को जब मंगलवार को मैहर सिविल अस्पताल लाया गया, तो उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे तुरंत भर्ती कर लिया।

कटनी से इलाज के लिए मैहर आया परिवार- जानकारी के अनुसार, 5 वर्षीय मासूम पवन सिंह, पिता रमेश सिंह, मूल रूप से कटनी जिले की बरही तहसील के खतौली बंजारिया गांव का निवासी है। बच्चे की हालत लगातार बिगड़ने पर उसकी मां उषा सिंह और मामी संजू सिंह उसे लेकर मैहर सिविल



अस्पताल पहुंचीं। मामी संजू सिंह ने बताया कि पवन का शरीर लगातार सूखता जा रहा है, उसकी हड्डियां बाहर निकल आई हैं और शरीर टेढ़ा हो गया है। बच्चे के गले और कंधे में हमेशा तेज दर्द रहता है। कई जगह

5 साल की उम्र में हड्डियों का ढांचा बना पवन, मैहर में चल रहा इलाज, डॉक्टर बोले- जन्मजात विकृति

देसी-विदेशी इलाज कराने के बाद भी जब कोई सुधार नहीं हुआ, तो वे उसे मैहर लेकर आए।

विभागों में समन्वय की कमी, मासूमों पर आफत-सतना और मैहर अंचल के ग्रामीण इलाकों में लगातार सामने आ रहे कुपोषित बच्चों के मामलों के बीच मैहर में यह अपनी तरह का पहला मामला है, जो पड़ोसी जिले कटनी से सामने आया है। इस घटना ने महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग के मैदानी तालमेल की पोल खोल

दी है। जानकारों का कहना है कि यदि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं और कुपोषण उन्मूलन योजनाओं की नियमित निगरानी होती, तो मासूम पवन की हालत इतनी बदतर नहीं होती।

प्रथम दृष्टया यह चेस्ट वॉल डिफॉर्मिटी सिंड्रोम का मामला है। डॉ. आर.एन. पांडेय, सिविल सर्जन, मैहर

डॉ. बोले जन्मजात विकृति है मुख्य कारण... इस पूरे मामले में मैहर सिविल अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. आर.एन. पांडेय ने बताया कि बच्चे में जन्मजात शारीरिक विकृति है, जिसके कारण उसकी गर्दन टेढ़ी है और हड्डियां उभरी हुई दिख रही हैं। ऐसी विकृति वाले बच्चों में कुपोषण के लक्षण अपने आप दिखने लगते हैं। फिलहाल उसे जनरल वार्ड में भर्ती कर जांच शुरू कर दी गई है। विस्तृत पैथोलॉजिकल टेस्ट के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट होगी। फिलहाल मासूम पवन डॉक्टरों की कड़ी निगरानी में है।

सैनफ्रांसिस्को जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट रास्ते से दिल्ली लौटी, 4 घंटे से ज्यादा हवा में रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को जा रहा बोइंग 777-300 ER प्लेन तकनीकी खराबी के कारण दिल्ली वापस लौटा। घटना बुधवार सुबह की है। विमान में 230 यात्री-कू सवाल थे। एयरलाइन के मुताबिक फ्लाइट एआई-173 को सुरक्षित लैंड कराया गया। उसकी तकनीकी जांच होगी। फ्लाइट ट्रेकिंग वेबसाइट के आंकड़ों के मुताबिक विमान साढ़े 4 घंटे से ज्यादा समय तक हवा में रहा था। उड़ान भरने के करीब 3 घंटे बाद, जब विमान चीन के हवाई क्षेत्र में था, तभी उसे वापस दिल्ली मोड़ने का फैसला लिया गया था।

● बिहार कैबिनेट में 27 प्रस्तावों पर मुहर

जमीन सर्वे नियमों में बदलाव, स्वास्थ्य; प्रशासन और रोजगार सुधार पर जोर

पटना (एजेंसी)। सीएम सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई बिहार मंत्रिमंडल की बैठक में राज्य के विकास, स्वास्थ्य और भूमि सर्वेक्षण से जुड़े 27 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में विशेष रूप से बिहार में चल रहे भूमि सर्वेक्षण कार्य को अधिक पारदर्शी और तेज बनाने, सरकारी कर्मियों को स्वास्थ्य सुविधा देने तथा छोटे अस्पतालों के लिए नई नियमावली लागू करने जैसे बड़े फैसले लिए गए।



● बिहार में जमीन सर्वे नियमों में होगा बड़ा बदलाव ● नए नियमों से तेजी से बनेगा खतियान और नदशा ● विधायकों और सरकारी कर्मियों को कैंसर इलाज ● मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टर, शिक्षकों की कमी होगी दूर ● छोटे अस्पतालों के लिए नई नियमावली लागू ● सड़क, सिंचाई और स्वास्थ्य परियोजनाओं को मंजूरी ● मंत्रिमंडल ने पांच स्टेट हाईवे परियोजनाओं के लिए 3744 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। ● 3744 करोड़ से बनेंगे स्टेट हाईवे

ममता बनर्जी के खिलाफ सिलीगुड़ी में एफआईआर दर्ज

● 2025 में कोलकाता के ईद कार्यक्रम में सनातन को गंदा धर्म कहने का आरोप



कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ सिलीगुड़ी साइबर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। ममता पर आरोप है कि उन्होंने 2025 में कोलकाता में आयोजित ईद कार्यक्रम के दौरान सनातन और हिंदू धर्म को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। विवाद उस बयान को लेकर है, जिसमें 'गंदा धर्म' जैसे शब्द इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, इस मामले पर ममता की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

विश्व धरोहर खजुराहो में हुआ 'योग महोत्सव 2026'

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को वीडियो संदेश से किया संबोधित

योग और खजुराहो दोनों भारतीय संस्कृति के हैं अभिन्न स्तंभ

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय योग परम्परा को सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़कर स्वस्थ, जागरूक एवं आध्यात्मिक रूप से समृद्ध समाज के निर्माण की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि योग और खजुराहो, दोनों ही सदियों से भारतीय संस्कृति के अभिन्न स्तंभ रहे हैं। हमारी सरकार योग के प्रचार के लिए सभी जरूरी कदम उठा रही है। योग को प्रदेश के घर-घर तक पहुंचाने के लिए आयुष विभाग द्वारा इन दिनों घर-घर योग-हर व्यक्ति निरोग अभियान भी चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के 25 दिवसीय काउंटडाउन के अवसर पर यूनेस्को द्वारा घोषित विश्व धरोहर स्थल खजुराहो में आयोजित योग महोत्सव 2026 कार्यक्रम को वीडियो संदेश के जरिए संबोधित किया।

वीडियो संदेश में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि योग आज सिर्फ एक व्यायाम नहीं, बल्कि वन

अर्थ-वन हेल्थ की भावना को साकार करने वाला जीवन दर्शन बन चुका है। मध्यप्रदेश सरकार घर-घर योग हर व्यक्ति निरोध के भाव से योग और



आयुष चिकित्सा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है। आयुष विभाग के माध्यम से आरोग्य मंदिरों, योग वेलनेस सेंटरों और विभिन्न जनजागरूकता की गतिविधियों के माध्यम से योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए सफल

अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पहले काउंटडाउन इवेंट से देशभर में लाखों लोग जुड़ रहे हैं। आज की युवा पीढ़ी भी योग को सहर्ष स्वीकार कर रही है। हम योग को सांस्कृतिक मूल्यों के साथ जोड़कर एक स्वस्थ, जागरूक और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध समाज के निर्माण की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सबसे सहयोग से हम योग को हर नागरिक के जीवन का हिस्सा बनाने की ओर बढ़ रहे हैं। केन्द्रीय आयुष मंत्रालय का यह आयोजन अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 की राष्ट्रव्यापी तैयारियों में एक और महत्वपूर्ण मील का पथर साबित हुआ है। यह कार्यक्रम योग के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के प्रति केन्द्र और राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र



मोदी, केन्द्र और राज्य सरकार के आयुष मंत्रालय के अधिकारियों और जिला प्रशासन, छतरपुर को खजुराहो में इस विशेष आयोजन को सफल बनाने के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम को केन्द्रीय आयुष और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव, उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री इंद्र सिंह परमार, संस्कृति एवं पर्यटन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी और सांसद खजुराहो श्री विष्णुदत्त शर्मा ने भी संबोधित किया।

बियर शौकीन हो रहे मायूस

- सरकारी आंकड़े बता रहे 14 प्रतिशत लेकिन ठेकेदार बता रहे 45 प्रतिशत कमी

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में इस बार गर्मियों का सीजन बियर के शौकीनों के लिए काफी मायूस करने वाला साबित हो रहा है। राज्य में बियर की सप्लाई में भारी गिरावट आई है, जिससे कई बड़े शहरों के आउटलेट्स खाली पड़े हैं। इस संकट की मुख्य वजह आबकारी विभाग द्वारा इसी साल फरवरी में रायसेन स्थित एक निजी मैन्युफैक्चरिंग और बॉटलिंग यूनिट को बंद किया जाना है। इस फैक्ट्री के बंद होने से बाजार में अचानक बड़ा गैप आ गया, जिसकी भरपाई समय रहते नहीं की जा सकी।

सरकार का दावा बनाम इंडस्ट्री की हकीकत

आबकारी कमिश्नर दीपक सक्सेना के मुताबिक, विभाग ने मुस्तेदी दिखाते हुए दूसरे राज्यों और स्थानीय डिस्टिलरीज से बैकअप



अरेंजमेंट किया है। सरकार का दावा है कि शुरुआती 45 प्रतिशत के घाटे को अब घटाकर सिर्फ 14 प्रतिशत पर ले आया गया है।

हालांकि, शराब कारोबारियों और इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों का कहना है कि जमीनी स्तर पर यह क्लिफ्ट अभी भी 45 प्रतिशत के आसपास बनी हुई है, क्योंकि सरकार समय पर वैकल्पिक टैंडर जारी करने में नाकाम रही। दरअसल, पीक सीजन में राज्य में रोजाना दो लाख क्रेट बियर की मांग रहती है, जिसमें से आधी सप्लाई अकेले रायसेन की इसी बंद पड़ी यूनिट से होती थी। शराब ठेकेदार एसोसिएशन ने कहा कि मध्य प्रदेश का सिस्टम उत्तर प्रदेश जैसा नहीं है, जहां कंपनियां सीधे ठेकेदारों से संपर्क करती हैं। यहां सरकार के मध्यम डिपों से सप्लाई होती है। जब सरकार हमसे भारी आबकारी ड्यूटी लेती है, तो मांग के मुताबिक स्टॉक देना भी उसी की जिम्मेदारी है।

देशव्यापी है बियर की कमी

इसके अलावा, भोपाल के सहायक आबकारी आयुक्त वीरेंद्र सिंह धाकड़ ने बताया कि बियर की कमी इस बार देशव्यापी है। इस साल नए सिरे से हुए टैको के वेडर्स ने पूरी कर दी, जिन्होंने प्रीमियम बियर के बड़े स्टॉक पहले ही बिक कर लिए, जिससे भोपाल जैसे मुख्य शहरों में हाई-एंड ब्रांड्स की भारी कमी हो गई है।

आमजन सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के साथ कंपनी का करें सहयोग

विद्युत दुर्घटनाओं से बचाव के प्रति सतर्कता बरतें



भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कतिपय प्राकृतिक और मानवीय कारणों से होने वाली विद्युत दुर्घटनाओं से बचाव के लिए आमजनों और उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे विद्युत लाइनों, वितरण ट्रांसफार्मरों तथा अन्य विद्युतीय उपकरणों से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ न करें तथा सजगता और सतर्कता बरतते हुए अपने दैनिक कार्यों का निर्वहन करें। आमजन अमूल्य जीवन और विद्युत सुरक्षा की ओर विशेष ध्यान देते हुए पूर्व से विद्यमान विद्युतीय उपकरणों, लाइनों तथा वितरण ट्रांसफार्मरों के समीप भवन निर्माण, कालोनी के निर्माण और रोड के विस्तार के दौरान विद्युत सुरक्षा के मापदण्डों के अनुसारा उचित दूरी का ध्यान रखें। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि विद्युत उपकरणों के साथ छेड़छाड़ करना या उन्हें नुकसान पहुंचाना अथवा चुराकर ले जाना कानूनी अपराध है और इसके लिए जुर्माने और सजा का प्रावधान है।

बोलेरो की टक्कर से ई-रिक्शा चालक की मौत

- दो बोलेरो रेस कर रही थीं तभी एक ने पीछे से मारी थी टक्कर

भोपाल (नप्र)। भोपाल के ईटखेड़ी इलाके में तेज रफ्तार बोलेरो की टक्कर से ई-रिक्शा चालक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा मंगलवार शाम जगदीशपुर रोड स्थित मेरिकल गार्डन के पास हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ई-रिक्शा पलट गया और चालक का सिर दब गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बुधवार को पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मर्ग कायम, जांच शुरू

मृतक की पहचान जगदीशपुर निवासी मुईन उर्फ फैसल खान (23) के रूप में हुई है। बताया गया है कि वह अपने बैटरी ऑटो से ईटखेड़ी से जगदीशपुर रोड की ओर जा रहा था, हादसे के समय रिक्शा में सवारी नहीं थी। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रही दो बोलेरो गाड़ियां कथित तौर पर रेस लगा रही थीं। इनमें से एक बुलेरो ने उसके ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मारी।

केंद्र में आईजी बनेंगे शाक्यवार, शियास, जयदेवन, सौरभ

- केंद्र सरकार के सुरक्षा और अर्धसैनिक बलों में आईजी या समकक्ष जिम्मेदारियां सौंपी जा सकती हैं



भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश कैडर के चार वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को केंद्र सरकार ने आईजी और समकक्ष पदों के लिए इम्पेनल करने का फैसला लिया है। चयनित अधिकारियों में कुमार सौरभ, ललित शाक्यवार, ए शियास और ए जयदेवन शामिल हैं। जल्द ही इन अधिकारियों को केंद्र सरकार के विभिन्न सुरक्षा और अर्धसैनिक बलों में

आईजी या समकक्ष जिम्मेदारियां सौंपी जा सकती हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय के प्रस्ताव पर अप्रैल/मई में कमेटी ऑफ फैंबिनेट ने देशभर के 68 आईपीएस अधिकारियों को अलग-अलग श्रेणियों में आईजी और समकक्ष पदों के लिए चयनित किया है। वहीं 55 आईपीएस अधिकारियों की सूची को मंजूरी नहीं दी गई है।

19 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके अधिकारी होते हैं पात्र

जानकारी के मुताबिक वर्ष 2008 बैच के आईपीएस अधिकारी और वर्तमान में बालाघाट आईजी के रूप में पदस्थ ललित शाक्यवार को 'इनिशियल' कैटेगरी में चुना गया है। इसी श्रेणी में 2008 बैच के ही आईपीएस अधिकारी ए शियास और ए जयदेवन के नामों को भी मंजूरी मिली है। वहीं 2007 बैच के आईपीएस अधिकारी कुमार सौरभ का चयन 'फर्स्ट रिज्यू' श्रेणी में किया गया है। दरअसल केंद्र सरकार में 'इनिशियल' और 'इनिशियल लेट ओवर' वे श्रेणियां होती हैं, जिनके तहत वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों की सेवा और कार्यप्रणाली की समीक्षा कर उन्हें केंद्र में आईजी या समकक्ष पदों के लिए पैनल में शामिल किया जाता है। आमतौर पर 19 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके आईपीएस अधिकारी इस पद के लिए पात्र माने जाते हैं। वहीं 'फर्स्ट रिज्यू' प्रक्रिया उन अधिकारियों के लिए होती है, जो प्रारंभिक चयन सूची में शामिल नहीं हो पाते। बाद में केंद्र सरकार उनकी कार्यकुशलता और सेवा रिकॉर्ड की समीक्षा कर दोबारा चयन पर फैसला लेती है। अब चयनित अधिकारियों को जल्द ही सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ सहित अन्य केंद्रीय एजेंसियों में जिम्मेदारी मिल सकती है।

प्रदेश की सड़कों पर दोपहर में सन्नाटा

बड़े तालाब का जलस्तर घटने लगा

लोगों की आवाजाही बेहद कम, 28 मई से लगातार 3 दिन बारिश का अलर्ट



भोपाल (नप्र)। नौलाका के तीसरे दिन भी मध्य प्रदेश भीषण गर्मी की चपेट में है। राजधानी भोपाल समेत कई शहरों में दोपहर में सड़कें सूनी नजर आईं। दोपहर 1:30 बजे भोपाल का तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इससे पहले सोमवार को 45.3 और मंगलवार को 45 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था।

वहीं, न्यूनतम तापमान भी 30 से 31 डिग्री के बीच बना हुआ है, जिससे दिन के साथ रात में भी लोगों को राहत नहीं मिल रही। भोपाल की लिंक रोड नंबर-1 और शौर्य स्मारक के पीछे की मशहूर 'ठंडी सड़क' पर भी गर्मी का असर साफ दिखाई दे रहा है।

पेड़ों से घिरी रहने वाली इस सड़क पर आम दिनों की तुलना में लोगों की आवाजाही बेहद कम हो गई है। जो लोग मोटरसाइकिल से निकल रहे हैं, वे भी पूरी सावधानी और एहतियात बरतते नजर आ रहे हैं।

उधर, टिकमगढ़ में भी दोपहर के समय तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण बाजारों और सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकलते दिखे।



फोटो: प्रवीण वाजपेयी

उमरिया में भी हालात कम गंभीर नहीं हैं। यहां अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 25.7 डिग्री रहा। भीषण गर्मी के कारण जिला मुख्यालय की

मुख्य सड़कें लगभग वीरान पड़ी हैं और लोगों की आवाजाही थम सी गई है। लगातार बढ़ती गर्मी ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है।

गड्ढे में डूबने से बालक की मौत

दोस्तों के साथ गया था नहाने, गहरे पानी में जाने से डूबा, मदद पहुंचती तब तक गई जान

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कजलीखेड़ा इलाके में पानी से भरे गड्ढे में डूबने से 13 वर्षीय बालक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान आकाश बालू पिता भूरा बालू (13) निवासी कालापानी कजलीखेड़ा के रूप में हुई है। बताया गया है कि आकाश पावली कक्षा तक पढ़ाई करने के बाद स्कूल छोड़ चुका था। मंगलवार को वह अपने दोस्तों के साथ घर के पास स्थित ईट भट्टे के नजदीक पानी से भरे गड्ढे में नहाने गया था। गड्ढे में करीब छह फीट तक पानी भरा हुआ था। गहरे पानी में चला गया था आकाश- नहाने समय आकाश अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसके साथ मौजूद दोस्तों ने उसे बचाने की कोशिश की और शोर मचाकर गांव वालों को बुलाया। ग्रामीण मौके पर पहुंचे और काफी प्रयास के बाद बच्चे को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई।



भोपाल (नप्र)। भोपाल के पांश इलाके चार इमली में रहने वाले एक आईपीएस अधिकारी संजीव कंचन की 17 वर्षीय बेटी का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। घटना मंगलवार दोपहर

की है। हबीबगंज थाना प्रभारी संजीव चौकसे के अनुसार, बच्ची 11वीं कक्षा की छात्रा थी। पुलिस को परिजन से सूचना मिली। छात्रा के मोबाइल फोन और उसके संपर्कों की जांच की जा रही है। वहीं बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृत छात्रा की मां रेणुका कंचन भोपाल गैस राहत अदालत में जज हैं।

गोदली हुई बेटी थी

आईपीएस संजीव कंचन ने बेटी को गोद लेकर पाला था। महज तीन महीने की उम्र में बेटी को विधिवत तरीके से अर्पण किया गया था। इसकी पुष्टि पुलिस कमिश्नर संजय सिंह ने की है। पुलिस का कहना है कि आत्महत्या के सही कारणों का अभी खुलासा नहीं हुआ है। परिजनों के डिस्टेल बयान फिलहाल दर्ज नहीं किए जा सके हैं।

पुलिस कोमिला सुसाइड नोट

एसपी उमेश तिवारी ने बताया कि मृत छात्रा के पास से एक सुसाइड नोट मिला है। इसमें उसने लिखा, मम्मी-पापा, मैं आपसे बहुत प्यार करती हूँ, लेकिन मैं आपकी अच्छी बेटी नहीं बन सकी। आईएम सॉरी। हालांकि छात्रा ने सुसाइड नोट नहीं किया है। पुलिस ने सुसाइड नोट और छात्रा का मोबाइल फोन जब्त कर लिया है।



दृष्टिकोण
रमेश रंजन त्रिपाठी
लेखक स्तंभकार हैं।

हमारे चाचा जी पुराने कपड़े इकट्ठा करके जरूरतमंदों को बाँट देते हैं। ऐसा करने के पीछे की भावना का विश्लेषण विद्वानों द्वारा किया जा सकता है। सच्चाई यह है कि जिन्हें ये कपड़े मिलते हैं, साइज के न होने पर भी, वे खूब खुश होकर उन्हें पहनते हैं। पहले हुए सेकंड हैंड कपड़ों का बाजार भी होता है जिसमें कीमत बहुत कम होती है। रेडीमेड वस्त्रों के बाजार में जरा सा नुकस होने पर माल को दोयम दर्जे का कहकर रिजेक्ट कर दिया जाता है। ऐसा खारिज किया गया फ्रेश माल सस्ती दरों पर बेचा जाता है। गरीबी के आँकड़ों के अध्ययन से अनुमान लगाया जा सकता है कि दुनिया में लगभग अस्सी-पचासी करोड़ लोगों के पास मौसम के अनुकूल पहनने के लिए पर्याप्त वस्त्र उपलब्ध नहीं हैं। करोड़ों लोग चीथड़े लपेटकर गुजारा करते हैं। नग्न रहने वाले आदिमानव धीरे-धीरे पत्ते या जानवरों की खाल लपेटने लगे। मनुष्यों को मौसम की मार से बचने के लिए शरीर को ढकने की आवश्यकता महसूस हुई होगी। कालांतर में कपड़ों के साथ लोकलाज ने भी डेरा जमा लिया। मानव सभ्यता में वस्त्र धारण करना अनिवार्य मान लिया गया। रत्नजड़ित स्वर्णाभूषणों का प्रचलन प्रारंभ होने के बाद भी वस्त्रों की महत्ता कम नहीं हुई। गोस्वामी तुलसीदास जी ने 'श्रीरामचरितमानस' में कहा है, 'बसन हीन नहीं सोह सुरारी, सब भूषण भूषित बरनारी'। अर्थात् केवल आभूषणों सेसुसज्जित सुन्दर स्त्री बिना कपड़ों के शोभित नहीं होती। परंतु समय का पहिया अजीब ढंग से घूमता है। देखिए न, आधुनिक दौर में कुछ देशों, खासकर यूरोप में, न्यूड संस्कृति के समर्थक मिल जाते हैं। फ्रांस, स्पेन और इटली जैसे देशों में न्यूड बीच प्रसिद्ध हैं। ऐसी धारणा है कि स्पेन में लगभग तीन सौ न्यूड बीच हैं। यह न्यूड संस्कृति विशेष रूप से पश्चिम



नेहरु की सांस्कृतिक और वैज्ञानिक विरासत
श्याम बोहरे
लेखक सामाजिक विज्ञान अध्येता हैं।

जात न पूछे साधु की पूछ लीजिए ज्ञान। बहुमुखी प्रतिभा के धनी देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरु को उनके सांस्कृतिक लगाव, और ज्ञान के सम्बन्ध को जानने की कोशिश करते हैं। दिल्ली के सप्रू हाउस में आयोजित महान रूसी लेखक लिओ टालस्टाय की पचासवीं पुण्यतिथि के अवसर पर नेहरु जी ने कहा कि दो तरह की महानताएँ होती हैं। एक वह जिससे साक्षात्कार होने पर सामने वाला अपने आपको बहुत ही छोटा, तुच्छ, नगण्य, अस्तित्वहीन समझने लगता है, हीन भावना से भर जाता है। दूसरे तरह की महानता होती है जिसके सामने व्यक्ति अपने आपको बड़ा समझने लगता है, वह ऊपर उठा हुआ समझता है, महान व्यक्ति के समकक्ष महसूस करता है, उसका आत्मविश्वास बढ़ जाता है। टालस्टाय की महानता इस दूसरे किस्म की महानता थी जो मानवीय गरिमा को श्रेष्ठता प्रदान करती थी। यह सुनते ही सभाकक्ष तालियों की गड़गड़ाहट से ढेर तक गूँजता रहा। इसके बाद उस समय विश्व की श्रेष्ठ बौद्धिक पत्रिका एनकाउंटर के सम्पादक स्टीफन स्पेन्डर ने कहा कि एनकाउंटर के सम्पादक के नाते वे अक्सर दुनियाभर के राजनेताओं-राष्ट्रपतियों, प्रधान मंत्रियों आदि से मिलते रहते हैं। अभी टालस्टाय के सम्बंध में नेहरु ने जो कहा वह दुनिया का कोई भी राजनेता टालस्टाय के सम्बन्ध में नहीं कह सकता।

रूस के महान लेखक बोरिस पास्तरनाक को 1958 में नोबेल पुरस्कार मिला। रूस की सरकार उनसे नाराज थी इसलिए उन्हें नोबेल पुरस्कार लेने के लिए स्टाकहोम जाने की अनुमति नहीं दी और बोरिस पास्तरनाक को देश निकाला देने की कार्रवाई शुरू कर दी। उस समय लन्दन में साहित्यकार अलदुअस हक्सले और एनकाउंटर के सम्पादक स्टीफन स्पेन्डर ने बोरिस पास्तरनाक को बचाने के लिए समिति बनाई। इन बुद्धिजीवियों ने जवाहर लाल नेहरु से निवेदन किया कि वे इस समिति का अध्यक्ष पद स्वीकार करें और पास्तरनाक को बचाने के लिए अपने प्रभाव का उपयोग करें। नेहरु जी ने निवेदन स्वीकार करते हुए रूस के राष्ट्रपति खुरचेव से मांग की कि बोरिस पास्तरनाक को नोबेल पुरस्कार लेने के लिए स्टाकहोम जाने की अनुमति दें और उन्हें देश निकाला देने की कार्रवाई रोक



एजुकेशन
डॉ. सुदीप शुक्ल
(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

भारत विविधताओं का देश है। देश के 125 करोड़ से अधिक नागरिकों के बीच भाषा सिर्फ संवाद का माध्यम ही नहीं बल्कि संस्कृति, इतिहास, भावनाओं और सामाजिक पहचान का आधार भी है। इसी बहुलतावादी स्वरूप को स्वीकार करते हुए संविधान में भारत को भाषाई विविधता के साथ एकात्मक राष्ट्र के रूप में विकसित करने का मार्ग चुना गया था। इसीलिए जब राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत त्रिभाषा फॉर्मूले को लागू करने की बात आई तो उसका मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को बहुभाषी बनाना, भारतीय भाषाओं को सशक्त करना तथा राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना था। दुर्भाग्य से इस विषय को कुछ राजनीतिक दलों और क्षेत्रीय शक्तियों ने भाषाई अस्मिता बनाम 'धोपे जाने' की बहस में परिवर्तित करने का प्रयास प्रारंभ कर दिया। यह विवाद केवल शैक्षणिक नहीं बल्कि राजनीति प्रेरित मानसिकता और कहीं न कहीं अलगाववादी सोच का भी परिचायक प्रतीत होता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत त्रिभाषा फॉर्मूले को लेकर एक बार फिर देश में बहस तेज हो गई है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा कक्षा 9 से तीन भाषाओं के अध्ययन को अनिवार्य बनाए जाने संबंधी सर्वप्रथम को चुनौती देते हुए सर्वोच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर की गई है। याचिकाकर्ताओं ने नीति के अचानक

इस कोड: गोलमाल है भाई सब गोलमाल है

रत्नजड़ित स्वर्णाभूषणों का प्रचलन प्रारंभ होने के बाद भी वस्त्रों की महत्ता कम नहीं हुई। गोस्वामी तुलसीदास जी ने 'श्रीरामचरितमानस' में कहा है, 'बसन हीन नहीं सोह सुरारी, सब भूषण भूषित बरनारी'। अर्थात् केवल आभूषणों सेसुसज्जित सुन्दर स्त्री बिना कपड़ों के शोभित नहीं होती। परंतु समय का पहिया अजीब ढंग से घूमता है। देखिए न, आधुनिक दौर में कुछ देशों, खासकर यूरोप में, न्यूड संस्कृति के समर्थक मिल जाते हैं। फ्रांस, स्पेन और इटली जैसे देशों में न्यूड बीच प्रसिद्ध हैं। ऐसी धारणा है कि स्पेन में लगभग तीन सौ न्यूड बीच हैं। यह न्यूड संस्कृति विशेष रूप से पश्चिम के उन देशों में लोकप्रिय है जहां इसे प्रकृति के साथ जुड़ाव और मानवीय शांति का माध्यम माना जाता है। रिचर्ड एटनबरो की विश्व प्रसिद्ध फिल्म 'गांधी' में एक मार्मिक दृश्य है जिसमें भारत में वस्त्रों की कमी से जूझती महिला नदीमें नहाते हुए साड़ी के टुकड़े को लपेटकर बड़ी मुश्किल से अपनी लज्जा को ढंकने का प्रयास कर रही है।

के उन देशों में लोकप्रिय है जहां इसे प्रकृति के साथ जुड़ाव और मानवीय शांति का माध्यम माना जाता है। रिचर्ड एटनबरो की विश्व प्रसिद्ध फिल्म 'गांधी' में एक मार्मिक दृश्य है जिसमें भारत में वस्त्रों की कमी से जूझती महिला नदी में नहाते हुए साड़ी के टुकड़े को लपेटकर बड़ी मुश्किल से अपनी लज्जा को ढंकने का प्रयास कर रही है। उस गरीब महिला की बेबसी से प्रेरित गांधी जी अपनी ओढ़ने वाली चादर को नदी में उसकी ओर प्रवाहित कर देते हैं जिसे वह बड़ी कृतज्ञता से लपक लेती है। शायद बापू ने इस घटना के बाद पूरे कपड़े पहनने की बजाय खादी की धोती से अपने शरीर ढंकना शुरू किया हो।

व्यक्ति के परिचय में प्रारंभिक भूमिका परिधान निभाता है। राक्षस रावण के सन्यासी रूप से सीता जी धोखा खा गई थीं। कपटी कालनेमि ने साधु बनकर बजरंगबली का रास्ता रोक लिया था। यद्यपि इनकी पोल शीघ्र ही खुल गई लेकिन वेशभूषा ने अपना असर तो दिखा ही दिया था। गणवेश से व्यक्ति के कार्यक्षेत्र की जानकारी मिल जाती है। पुलिस, डॉक्टर, वकील, सैनिक, विद्यार्थी आदि को उनकी यूनिफॉर्म से

पहचानना आसान हो जाता है। कपड़े का तानाबाना बुनने के लिए कपास, रेशम, जानवरों के बाल, सिंथेटिक फाइबर आदि का उपयोग सामान्य बात है। कपड़े की कीमत उसके कच्चे माल के दाम पर निर्भर



करती है। हाथों की पूरी सफाई के साथ किए गए महीन काम वाले वस्त्र का महंगा होना लाजिमी है। यकीन न हो तो मलमल की याद कर लीजिए। संपन्नता का प्रदर्शन कपड़े भी करते हैं। वस्त्राभूषण का स्टेटस

सिंबल से गहरा संबंध होता है। किस सेलिब्रिटी ने किस अवसर पर कितनी कीमती पोशाक पहनी, खबर बन जाती है। फिल्में भी इससे अछूती नहीं हैं। सूट, बूट, हैट पहनकर 'सगीना' साहब बन जाता है। 'श्री 420' का जूता भले ही जापानी, पतलून अंग्रेजी और सिर की टोपी रूसी लाल हो लेकिन दिल तो विशुद्ध हिंदुस्तानी होता है। मलमल की चुनरिया और लाल दुपट्टा फिल्मी हीरोइनों को बहुत पसंद है। 'देस-परदेश' में जैसा देश वैसा भेष अपनाने की सलाह देवानंद भी देते हैं। सम्मान ही नहीं, परिधान किसी को अपमानित करने का जरिया भी हो सकते हैं। पांडवों की पटरानी द्रौपदी का प्रसंग सब जानते हैं। 'महाभारत' में दुर्योधन के आदेश पर भरी सभा में दुःशासन द्वारा द्रौपदी के वस्त्रहरण के प्रयास को भगवान श्रीकृष्ण ने विफल कर दिया था। लोकमान्यता है कि किसी अवसर पर द्रौपदी ने कन्हैया की चोट से रिसते खून को रोकने के लिए अपनी बेशकीमती साड़ी को फाड़कर उनके घाव पर बांध दिया था। श्याम सुंदर ने चौरहरण से रक्षा कर पांचाली के उस उपकार का बदला चुकाया था। इस कथा से जरूरतमंद को वस्त्रदान की महत्ता प्रतिपादित

होती है। कपड़ों की बात चली है तो बेहतरीन फिल्मकार हृषिकेश मुखर्जी की क्लासिक मूवी 'गोलमाल' में उत्पल दत्त और अमोल पालेकर के बीच हुआ रोचक वार्तालाप याद आता है। अमोल पालेकर नौकरी का इंटरव्यू देने उत्पल दत्त के सामने बैठे हैं। उत्पल अपने एक्टर मित्र देवेन वर्मा की सहायता से उधार मिले छोटे कद के कलाकार की नाप का कुर्ता पहने हुए हैं जो उनके लिए भीछोटा है। दत्त पूछते हैं कि तुम इतना छोटा कुर्ता क्यों पहनते हो? तब अमोल बहुत मजेदार जवाब देते हैं कि उनके 'पिता जी कहा करते थे कि कुर्ता तो शरीर के उपरांत की लज्जा निवारण के लिए होता है। भारतवर्ष में तीस करोड़ मर्द हैं, उनमें से दस करोड़ कुर्ता पहनते होंगे। अगर हर आदमी अपना कुर्ता छह इंच भी छोटा कर ले तो उसमें जितना भी कपड़ा बचेगा उससे कितने लोगों की वस्त्र समस्या हल हो सकती है ! इसलिए पिता जी कहा करते थे कि लंबे वस्त्र पहनना बहुत हानिकारक फैशन है।' यहां ध्यान देने वाली बात ये है कि यह फिल्म सन् 1979 में आई थी। तब हमारे देश में मर्दों की संख्या तीस करोड़ के आसपास थी। फिल्मकार का संदेश सुंदर है। खबरों में हजारों करोड़ की ड्रेस पहने अमीरों को देखकर इस बातचीत और हृषि दा' के साथ 'गोलमाल' के गाने की याद भी आ जाती है- 'गोलमाल है भाई सब गोलमाल है'।

मानवीय गरिमा को श्रेष्ठता प्रदान करती महानता

गांधी-बोध नेहरु में गहरे तक समाया था, अनेक विषयों पर विपरीत राय रखने के बावजूद गांधी कहते थे, मेरे बाद जवाहर मेरी भाषा बोलेंगे। मैं नींद की गोद में जाऊँ उसके पहले जिस प्यारे जंगल कर्मक्षेत्र की मीलों लम्बी यात्रा करना है वह, बहुत ही गहरा और लम्बा है। राबर्ट फ्रास्ट की कविता की ये पंक्तियाँ जो नेहरु की टेबल पर रखे नोटपेड पर लिखी थीं, वे कितना अधिक करना चाहते थे उसकी बानगी हैं। अपनी बेटी इंदिरा को जेल से लिखे गए पत्रों में दुनियाभर के अनेक कवियों से परिचित कराते हैं। प्रसिद्ध कवि अज्ञेय अपने कविता संकलन 'प्रजेंट डे एंड अदर पोयमस' की भूमिका नेहरु से लिखवाते हैं, राष्ट्र कवि रामधारी सिंह दिनकर अपनी पुस्तक 'संस्कृति के चार अध्याय' की भूमिका लिखवाते हैं। भूमिका में वे लिखते हैं 'संस्कृति किसी समाज या राष्ट्र का प्रतिबिम्ब होती है यह मनुष्य के व्यवहार, सोच, नैतिक मूल्यों और जीवन शैली को आकार देती है, यह हमें पहचान, एकता और विरासत प्रदान करती है।

दें। उन्हें पुरस्कार लेने के लिए स्टाकहोम तो नहीं जाने दिया, लेकिन देश निकाला देने की कार्रवाई रोक दी गई। बोरिस पास्तरनाक के बेटे ने अपनी पुस्तक में लिखा कि नेहरु के हस्तक्षेप के कारण उनके पिता को और उनके करियर को बचाया जा सका।

इसी तरह यूगोस्लाविया के मार्शल टिटो ने जब विद्वान लेखक जिलान मस्क को जेल में बंद कर दिया था तब जवाहर लाल नेहरु ने जिलान मस्क को जेल से बाहर निकालने में भूमिका निभाई। विश्व शांति, गुटनिरपेक्षता सरीखे मसलों सहित अन्य वैश्विक समस्याओं को सुलझाने में नेहरु अगुवाई करते रहे हैं।

नेहरु इस बात के जीते जागते उदाहरण जरूर थे कि मनुष्य जन साधारण के साथ आजादी के आन्दोलन में शिरकत करते हुए 3259 दिनों के कारावास के बावजूद भी अपने लक्ष्य से नहीं डिगे और लाखों स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के साथ देश को आजाद करा कर ही दम लिया। वे इसके भी उदाहरण हैं कि व्यापक और गहन अध्ययन, वैज्ञानिकों, समाज सुधारकों, महान व्यक्तियों, साहित्यकारों आदि का निकट सानिध्य और लक्ष्य के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ कठोर परिश्रम आम आदमी को भी वह बना सकता है जो जवाहर लाल नेहरु थे। दो भागों में प्रकाशित 'विश्व इतिहास की झलक' उनके इतिहास और वैश्विक बोध का उदाहरण हैं। गांधी-बोध नेहरु में गहरे तक समाया था, अनेक विषयों पर विपरीत राय रखने के बावजूद गांधी कहते थे, मेरे बाद जवाहर मेरी भाषा बोलेंगे।

मैं नींद की गोद में जाऊँ उसके पहले जिस प्यारे जंगल

कर्मक्षेत्र की मीलों लम्बी यात्रा करना है वह, बहुत ही गहरा और लम्बा है। राबर्ट फ्रास्ट की कविता की ये पंक्तियाँ जो नेहरु की टेबल पर रखे नोटपेड पर लिखी थीं, वे कितना अधिक करना चाहते थे उसकी बानगी हैं। अपनी बेटी इंदिरा को जेल से लिखे गए पत्रों में दुनियाभर के अनेक कवियों



से परिचित कराते हैं। प्रसिद्ध कवि अज्ञेय अपने कविता संकलन 'प्रजेंट डे एंड अदर पोयमस' की भूमिका नेहरु से लिखवाते हैं, राष्ट्र कवि रामधारी सिंह दिनकर अपनी पुस्तक 'संस्कृति के चार अध्याय' की भूमिका लिखवाते हैं। भूमिका में वे लिखते हैं 'संस्कृति किसी समाज या राष्ट्र का प्रतिबिम्ब होती है यह मनुष्य के व्यवहार, सोच, नैतिक मूल्यों और जीवन शैली को आकार देती है, यह हमें

पहचान, एकता और विरासत प्रदान करती है। साहित्य का अध्ययन और निराला, महादेवी वर्मा, जयशंकर प्रसाद, प्रेमचन्द सहित हिन्दी के मूर्धन्य साहित्यकारों से निकटता ने भी नेहरु के सांस्कृतिक बोध को सम्पन्न किया।

वैज्ञानिक मानसिकता को प्रोत्साहित करने में नेहरु ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रसिद्ध वैज्ञानिक आईसटान के साथ विचार विमर्श से नेहरु ने समझा कि विज्ञान और दर्शन से नई चेतना का विकास होगा। विनोबा भावे ने उन्हें विज्ञान और आध्यात्म के सम्बन्ध समझने में मदद की। 3 जून 1958 को असम के गोवाहाटी विश्वविद्यालय में नेहरु बताते हैं कि उपनिषद में खुले मन से सवाल करने की प्रवृत्ति वैज्ञानिक चेतना का लक्षण है। प्रश्न और तर्क करने की कसौटी पर परखने की बुद्धि की शिक्षा के केन्द्र में भी वैज्ञानिक मानसिकता है। इस तरह नेहरु उपनिषद और बुद्ध की शिक्षाओं के माध्यम से भारतीय संस्कृति में वैज्ञानिक मानसिकता को पहचानते हैं। वे कहते हैं कि वैज्ञानिक चिंतन कोई आर्यतित

पश्चिमी विचार ही नहीं वरन हमारी विरासत का भी अंग है। इस तरह नेहरु के माध्यम से हमें समझ आता है कि विज्ञान का तरीका सार्वभौमिक है। वैज्ञानिक सोच किसी भी बात को अंतिम सत्य नहीं मानता उसके लिए वह परीक्षण के लिए खुला रखता है, बात बात पर संशय करता है, प्रश्न करता है, तर्क करता है, जांच परख के बाद ही मानता है। यह प्रवृत्ति नेहरु के लेखन में बार-बार दिखती है, वे कई

जगह कहते हैं, 'मुझे पूरी तरह नहीं मालूम, मुझे जो थोड़ा बहुत मालूम है, हो सकता है ऐसा न हो, यह मुझे स्पष्ट नहीं है, इस बात को समझने के लिए मेरे पास पर्याप्त अध्ययन नहीं है।' वे कहीं भी अपने आपको सर्वज्ञाता नहीं दिखाना चाहेंगे। गंगा के सम्बन्ध कहते हैं, 'गंगा की तरफ देखने से मुझे हिमालय के हिम आच्छादित शिखर और गहरी घाटियों से आती हुई, जिससे मैंने बहुत प्यार किया है, याद आती है, साथ ही याद आते हैं समृद्ध दोआब के मैदान जहां मेरे जीवन की बहुमूल्य यादें बसी हैं। गंगा सुबह-सुबह सूर्य किरणों के मुलायम प्रकाश में कैसी मुस्कुराती, नाचती, खेलती दिखाई देती है। लेकिन संध्या की छाया का आवरण पड़ जाने पर वही प्रवाह कैसा खिन्न और रहस्यमय लगने लगता है। सदी के मौसम में प्रवाह खुष्क हो जाता है लेकिन गंगा मंथर शांत गति से शान से बहती रहती है। बरसात में उसका प्रचंड प्रवाह घर घर गर्जन करता हुआ विनाश का सूत सामर्थ्य लिए चौड़ी छती वाले सागर में मिल जाती है और भव्य स्मारक प्रतीत होती है।

नेहरु की सम्पन्न दृष्टि साहित्य, संस्कृति, विज्ञान आदि को टुकड़ों में नहीं वरन समग्रता में एक साथ देखती थी तभी तो वे जहां एक ओर एटामिक इन्जी कमीशन, स्पेस रिसर्च आर्गनाइजेशन, इंडियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस, इंडियन कांजंसिल फार साइंटिफिक रिसर्च, इंडियन कांजंसिल फार एग्रिकल्चरल रिसर्च, आईआईटी, एम्स सरीखे विज्ञान के इंदारे स्थापित कर रहे थे तो साथ साथ साहित्य अकादमी, ललित कला अकादमी, नेशनल बुक ट्रस्ट, नेशनल स्कूल आफ ड्रामा, फिल्म इंस्टीट्यूट सरीखे साहित्यिक-सांस्कृतिक संस्थान भी बना रहे थे। बड़े बड़े स्टील प्लांट, भारत इलेक्ट्रिकल्स, भाखड़ा नंगल बांध आदि बनाकर विकास की पुख्ता और स्थाई बुनियाद भी रख रहे थे। यह याद रखना जरूरी है कि यह सब वे उस वक्त कर रहे थे जब देश के पास संसाधन अत्यंत सीमित थे। नेहरु के बाद उस स्तर और गुणवत्ता के कोई संस्थान आज तक नहीं बना पाये।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के त्रिभाषा फॉर्मूले पर विवाद अनुचित

क्रियान्वयन, विद्यार्थियों पर अतिरिक्त बोझ, शिक्षकों की उपलब्धता और प्रशासनिक अव्यवस्था जैसी चिंताएं उठाई हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने याचिका स्वीकार कर ली है और मुख्य न्यायाधीश ने इस पर सुनवाई के लिए सहमति भी दी है। अब सर्वोच्च न्यायालय इस मामले की न्यायपूर्ण व्याख्या करेगा।

त्रिभाषा फॉर्मूले की अवधारणा नहीं है और न ही यह राजनीति से प्रेरित है। कोठारी आयोग की सिफारिशों के बाद 1968 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधान किए गए थे। बहुभाषी देश होने के कारण तीन भाषाओं की शिक्षा भारतीय शिक्षा प्रणाली का हिस्सा रही है। इसका मूल स्वरूप यह था कि विद्यार्थी अपनी मातृभाषा अथवा क्षेत्रीय भाषा के साथ हिंदी तथा एक अन्य आधुनिक भारतीय भाषा या अंग्रेजी का अध्ययन करें। इसका उद्देश्य किसी भाषा को थोपना नहीं, बल्कि भाषाई समन्वय स्थापित करना था। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने भी इसी भावना को आगे बढ़ाया है। नीति में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि किसी भी राज्य पर कोई भाषा अनिवार्य रूप से नहीं थोपी जाएगी तथा राज्यों को अपनी आवश्यकताओं के अनुसार भाषाओं के चयन का अधिकार रहेगा। इसके बावजूद कुछ राज्यों में इसे हिंदी थोपने का अभियान बताकर राजनीतिक विरोध खड़ा किया गया।

भाषाई राजनीति का इतिहास देश में पुराना है। दक्षिण भारत विशेषकर तमिलनाडु में हिंदी विरोध की राजनीति दशकों से क्षेत्रीय दलों के लिए राजनीतिक पूंजी का माध्यम रही है। आज भी जब त्रिभाषा फॉर्मूले का विरोध किया जाता है तो उसके पीछे

शैक्षणिक तर्क कम और राजनीतिक धुवीकरण अधिक दिखाई देता है। यह विडंबना ही है कि जो दल अंग्रेजी को सहज रूप से स्वीकार करते हैं उन्हें हिंदी या अन्य भारतीय भाषाओं से समस्या क्यों होने लगती है प्रश्न यह भी उठता है कि यदि एक भारतीय विद्यार्थी फ्रेंच, जर्मन या जापानी भाषा सीख सकता है तो उसे अपने ही देश की किसी अन्य भारतीय भाषा के अध्ययन से क्यों रोका जाना चाहिए

मातृभाषा किसी भी विद्यार्थी के लिए शिक्षा का सबसे सशक्त और सहज माध्यम होती है। यूनेस्को भी मातृभाषा में शिक्षा और बहुभाषा शिक्षा पर बल देता है। यूनेस्को की रिपोर्ट 'लैंग्वेज मैटर: ग्लोबल ग्राइंड्स ऑन मल्टीलिंगुअल एजुकेशन' के अनुसार बहुभाषी शिक्षा विद्यार्थियों की शैक्षिक पहुंच को बेहतर और व्यापक बनाती है, उनमें सीखने की क्षमता का विकास करती है जिससे परिणामों में सुधार आता है। यह सतत विकास का समर्थन करती है और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के त्रिभाषा फॉर्मूले के अनुसार प्रत्येक छात्र को तीन भाषाएं सीखनी होंगी जिनमें से दो भारत की मूल भाषाएं होनी चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968 में हिंदी, अंग्रेजी और एक क्षेत्रीय भाषा अनिवार्य की गई थी जबकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भाषा का चयन करने में लचीलापन प्रदान करती है। राज्य सरकारें और छात्र भाषाओं का चयन कर सकते हैं। इस नीति में कम से कम कक्षा 5 तक और यदि संभव हो तो कक्षा 8 और उससे आगे तक शिक्षा के माध्यम के रूप में घरेलू भाषा, मातृभाषा, स्थानीय भाषा या क्षेत्रीय भाषा का उपयोग

करने की सिफारिश की गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का मूल दर्शन भारतीयता को मजबूत करना है। नीति में मातृभाषा में प्रारंभिक शिक्षा, भारतीय ज्ञान परंपरा, स्थानीय भाषाओं के संरक्षण तथा बहुभाषिक शिक्षा पर विशेष बल दिया गया है। वैज्ञानिक शोध भी यह सिद्ध करते हैं कि बहुभाषिक विद्यार्थी बौद्धिक रूप से अधिक सक्षम होते हैं। भाषा सीखना किसी पहचान के क्षरण का नहीं, बल्कि ज्ञान के विस्तार का माध्यम है। इसलिए त्रिभाषा फॉर्मूले को सांस्कृतिक आक्रमण के रूप में प्रस्तुत करना वस्तुतः समाज में अनावश्यक भय पैदा करना है।

भारत जैसे विशाल राष्ट्र में भाषाई संवाद राष्ट्रीय एकता का महत्वपूर्ण आधार है। जब विभिन्न राज्यों के लोग एक-दूसरे की भाषा और संस्कृति को समझेंगे तभी 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना सशक्त होगी। दुर्भाग्य से कुछ राजनीतिक शक्तियां भाषा को संवाद का माध्यम बनाने के बजाय विभाजन का हथियार बना देती हैं। क्षेत्रीय अस्मिता के नाम पर यदि राष्ट्रीय एकता को चुनौती दी जाती है तो वह लोकतांत्रिक विमर्श नहीं बल्कि अलगाववादी मानसिकता की ओर संकेत करता है। राष्ट्र की विविधता का सम्मान आवश्यक है किंतु विविधता के नाम पर राष्ट्रीय समरसता को कमजोर करना उचित नहीं माना जा सकता। त्रिभाषा फॉर्मूले का विरोध करने वाले यह तर्क देते हैं कि इससे विद्यार्थियों पर अतिरिक्त बोझ बढ़ेगा परंतु आज का युग बहुभाषिक दक्षता का युग है। नई पीढ़ी डिजिटल माध्यमों से अनेक भाषाओं के संपर्क में है। ऐसे में भारतीय भाषाओं का अध्ययन विद्यार्थियों को न केवल सांस्कृतिक रूप से समृद्ध करेगा बल्कि रोजगार और संवाद की दृष्टि से भी अधिक सक्षम

बनाएगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य किसी भाषा विशेष का प्रभुत्व स्थापित करना नहीं बल्कि भारतीय भाषाओं के बीच संतुलन और सम्मान का वातावरण निर्मित करना है। भारत की भाषाई विरासत केवल हिंदी या तमिल तक सीमित नहीं है। भारत बहुभाषी देश है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में 121 मुख्य भाषाएँ और 19,569 से अधिक मातृभाषाएँ (बोलियाँ) हैं। संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाएँ शामिल हैं। 38 भाषाओं को इस अनुसूची में शामिल किए जाने की मांग की जाती रही है। संस्कृत, बांग्ला, मराठी, गुजराती, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम, उर्दू, पंजाबी और अन्य अनेक भाषाएँ भारतीय सभ्यता की धरोहर हैं। यदि विद्यार्थी विभिन्न भारतीय भाषाओं से परिचित होंगे तो उनमें सांस्कृतिक संवेदनशीलता और राष्ट्रीय चेतना दोनों का विकास होगा। इसलिए त्रिभाषा फॉर्मूले को संकीर्ण राजनीतिक दृष्टि से देखने के बजाय समग्रता के साथ राष्ट्रीय दृष्टिकोण से समझने की आवश्यकता है।

लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है किंतु शिक्षा जैसे संवेदनशील विषय को राजनीतिक स्वार्थों का माध्यम बनाना दुर्भाग्यपूर्ण है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य राष्ट्र निर्माण करना है न कि भाषाई वर्चस्व स्थापित करना। आज आवश्यकता इस बात की है कि भाषा के प्रश्न को टेकराव नहीं बल्कि शक्ति और सहअस्तित्व के दृष्टिकोण से देखा जाए। भारत की संविदा उसकी विविधता में निहित है और यह विविधता तभी सशक्त होगी जब भाषाएं विभाजन नहीं बल्कि एकता का माध्यम बनेंगी।

ग्राम भजियाढना में गोड़ी खोया पुनेम कार्यक्रम संपन्न

सोहागपुर। आदिवासी ग्राम भजियाढना में आदिवासी समुदाय ने गोड़ी खोया पुनेम कार्यक्रम का आयोजन किया था। यह कार्यक्रम एक सप्ताह तक निरंतर चलता रहा। जिसमें बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं नागरिकों भाग लिया। इस अवसर पर आदिवासी समाज के गणेश प्रसाद अहिरवार, उमेश उडके, श्री उडके, सोनु कुंरुची, अंकित उडके, रोहित धुर्वे, भूपति मरकाम, मुकेश तेकाम, हकम सल्लाम, विकास भल्लवी, रामचरण ठाकुर नर्मदा परते, आकाश कुशराम, अभिजीत इमने, आदित्य उडके आदि ने धर्मचार राशाह सलाम बड़देव का चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया था। समापन के अवसर पर भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के सभी आदिवासी श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की।

युवा समाजसेवी ने दी चरण पादुका

सोहागपुर। युवा समाजसेवी रहल धौलपुरिया प्रतिवर्ष अपनी पाकिट मनी से अंश बचाकर छोटे छोटे बच्चों को देते हैं, उपहार इस साल भी चिलचिलाती धूप में खुले आसमान में जीवन यापन करने वाले नन्हे बच्चों के लिए रहल की ठंडी छांव बने युवा समाजसेवी रहल धौलपुरिया। वर्तमान में भीषण गर्मी नागरिकों को परेशान कर रही है। ऐसे में रहल धौलपुरिया ने नगे पैर घूम रहे छोटे बच्चे बच्चियों चरण पादुका, कप गमछे के अलावा परिजनों को साड़ियां प्रदान की। इस अनुरूपीय संवेदनशीलता आयोजन में उनकी बेटी कनिष्का धौलपुरिया भी साथ थीं।

तिवारी परिवार ने पुण्य तिथि पर कराया भोजन



सोहागपुर। राम रहम रोटी बैंक सोहागपुर की खियाती दिन ब दिन सोहागपुर से अन्य नगरों तक जा पहुंची है। इसी तारतम्य में सोहागपुर विधानसभा के माखन नगर के तिवारी परिवार ने रेलवे स्टेशन

परिसर में जरूरतमंद नागरिकों एवं मातृशक्ति को भोजन की व्यवस्था करार परिजनों के साथ परोस गिरी भी की गई। माखन नग निवासी टेक पॉइंट कंप्यूटर सेंटर संचालिका रश्मि तिवारी, आशीष तिवारी एवं अमित तिवारी ने अपने पिताजी स्वर्गीय श्री वीरेंद्र तिवारी जी की चौदहवीं पुण्यतिथि के अवसर पर राम रहम रोटी बैंक समिति के सदस्यों के साथ जरूरतमंद बेघर बेसहारा लोगों को अपने हाथों से परोसकर स्टाइल भोजन कराया गया। इसके अलावा तिवारी परिवार ने जरूरतमंद लोगों की आगामी भोजन व्यवस्था हेतु समिति को 21 हजार रुपये की नगद सहायता राशि भी प्रदान की। राम रहम रोटी बैंक समिति ने तिवारी परिवार का हृदय से आभार व्यक्त किया है।

चेतावनी, समाधान

पंचवटी में भविष्य मालिका पुराण के माध्यम से मानव सभ्यता की रक्षार्थी कथा, दे गई चेतावनी, समाधान

(हीरालाल गोलानी)



सोहागपुर। पंचवटी परिसर के भोपाल कन्या स्कूल में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा एवं भविष्य मालिका पुराण कथा का आयोजन नीरजा गोलानी खूबचदानी एवं पंकज खूबचदानी ने कराया था। संपूर्ण भारत में अमूमन हर जगह श्रीमद्भागवत पुराण कथा का आयोजन सभी जगह होता है। किन्तु यहाँ श्रीमद्भागवत कथा के अलावा उड़िया भाषा 6 सौ साल पहले लिखी गई। भविष्य मालिका पुराण के माध्यम से मानव सभ्यता की रक्षार्थ कथा उड़ीसा के विद्वान पंडित डॉ काशीनाथ मिश्र ने उसके माध्यम से मानव प्राणी मात्र को भविष्य मालिका पुराण की चेतावनी देकर उसके समाधान का सरल उपाय बताया था। सप्त दिवसीय कथा में श्री मिश्र ने श्रीमद्भागवत कथा के प्रसंगों के अलावा भविष्य मालिका पुराण के जो तथ्य अपने मुखारविंद कहे। उसका श्रवण प्रत्येक मानव जीवन के लिए अतिआवश्यक था। उसके लिए सभी को समय अवश्य निकालना था। उड़ीसा जगन्नाथ संस्कृति के विद्वान पंडित डॉ काशीनाथ मिश्र ने सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के प्रमुख वक्ता ने उड़िया भाषा में लिखित 6 सौ साल पूर्व लिखे दुर्लभ ग्रंथ को हिंदी भाषा में लिपिबद्ध करके करीबन 40 साल तक शोध करके पूरे विश्व में प्रचारित कर रहे हैं। करीबन एक सौ 56 देशों भविष्य मालिका पुराण 'पार्ट वन' 2032 से सत्य युग की शुरुआत। भविष्य मालिका पुराण के आधार पर जन-समुदाय को कहा था कि आने वाला समय विश्व की मानव सभ्यता के लिए चिंतित करने वाला है। जिसमें तृतीय विश्व युद्ध की आहत तो अहम है। भविष्य मालिका में लिखा है कि जब शनि का मीन राशि में गोचर होगा एवं गुरु अतिचारी होंगे। तब इस पृथ्वी पर प्रलय जैसे हालात बनेंगे। वर्तमान में चार प्रकार की वायु विद्वमान है। आने वाले समय में 49 किस्म की विकृत वायु चलेगी। उक्त उद्धार श्री मिश्र ने भी कथा के अवसर पर कहे थे। वहीं भविष्य मालिका पुराण के पृष्ठ 66 के क्रम 6 से 15 तक में लिखित है कि खेत की फसलों में अनाज में कीड़े लग जाएंगे। अनेक स्थानों में दुर्भिक्ष एवं अकाल पड़ेगा, वज्रपात से मनुष्य एवं जीव जन्तु, गो माता को मृत्यु होगी। पृथ्वी पर 64 प्रकार की महामारियाँ फैलेगी, नदियों में असमय बाढ़ आएगी, सूर्य की किरणें 10 गुना तेज हो जाएंगी। पृष्ठ 67 के क्रम 17 से 30 में समुद्र में तूफान, मरुभूमि में बाढ़, भारी बरसात से मनुष्य एवं जीव जन्तुओं की मौत, भूकम्प, जंगलों में आग, चारों दिशाओं में धुआँ, आँधी तूफान आदि। धरती पर चारों तरफ संकट के बादल छाएंगे। भविष्य मालिका पुराण के अध्याय 6 में क्रम 1 से 48 तक में मानवीय विकृति से कलयुग के अंत का संकेत दिया गया है। श्री मिश्र ने कथा में तृतीय विश्व युद्ध अवश्यंभावी बताया था। जिसमें अस्त्र-शस्त्रों का इस्तेमाल होगा जो कल्पना से भी परे है। दुनिया के कई शहर रेगिस्तान में तब्दील हो जाएंगे। पाकिस्तान, चीन सहित करीबन 57, मुस्लिम देश भारत पर हमला करेंगे। अमेरिका का उनका समर्थन करेगा। इस भीषण महासंग्राम में रूस खुलकर भारत का साथ देगा। बाद में फ्रांस, जर्मन एवं जापान भारत की मदद करेंगे। जापान चीन पर टूट पड़ेगा।

वन सुरक्षा समितियों में करोड़ों की हेराफेरी का खुलासा

➔ फर्जी मजदूर एवं बिना कार्य कराए सरकारी राशि का किया गया था गबन

➔ कार्यवाही : 5000 का इनामी फरार आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। थाना बीजादेही पुलिस ने वन सुरक्षा समितियों में हुए लाखों रुपये के गबन एवं धोखाधड़ी के प्रकरण में फरार चला रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। प्रकरण में यह तथ्य सामने आया कि वन विभाग के प्रोजेक्ट अंतर्गत पदस्थ डिप्टी रेंजर एवं अन्य संबंधित व्यक्तियों द्वारा बिना कोई कार्य कराए, फर्जी मजदूरों एवं काल्पनिक कार्यों का उल्लेख कर शासकीय राशि विभिन्न खातों में स्थानांतरित कर उसका गबन किया गया। आरोपियों द्वारा वन सुरक्षा समितियों के खातों से नियम विरुद्ध तरीके से राशि निकालकर शासकीय धन का दुरुपयोग किया गया। 6 जनवरी 2025 को फरियादी दिनेश झारिया पिता स्व. रामदीन



झारिया (49) परियोजना परिक्षेत्र अधिकारी चूनाहजुरी, रामपुर भतोड़ी परियोजना मंडल बैतूल द्वारा थाना बीजादेही में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। रिपोर्ट में बताया गया कि संभागीय प्रबंधक रामपुर भतोड़ी परियोजना मंडल बैतूल

समितिवार गबन का विवरण

- वन सुरक्षा समिति माटीगढ़ - लगभग 24 लाख रुपये
- वन सुरक्षा समिति चिखली - लगभग 1.85 लाख रुपये
- वन सुरक्षा समिति तेंदूखेड़ा - लगभग 2.50 लाख रुपये
- वन सुरक्षा समिति आवरिया - लगभग 15.58 लाख रुपये
- वन सुरक्षा समिति काजली - लगभग 16.79 लाख रुपये

अध्यक्षों एवं सचिवों द्वारा सक्षम अधिकारियों की अनुमति के बिना समितियों के खातों से लाखों रुपये की राशि आहरित की गई तथा फर्जी मजदूरों एवं कूटरचित कार्य विवरण तैयार कर राशि का दुरुपयोग किया गया। प्रकरण में थाना बीजादेही में धारा 420, 406,

● प्रकरण में इन्हें बनाया गया था आरोपी - इस प्रकरण में गोविंद वासनिक, चन्द्रेश परते, ओमप्रकाश सरियाम, धनाराम यादव, प्रेमलाल सरियाम, धनाराम उडके और रम्मु कुमरे को आरोपी बनाया गया था। विवेचना के दौरान आरोपी गोविंद वासनिक, चन्द्रेश परते, ओमप्रकाश सरियाम एवं धनाराम यादव को पूर्व में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा चुका है। प्रकरण के शेष आरोपी प्रेमलाल सरियाम एवं रम्मु कुमरे घटना दिनांक से लगातार फरार चल रहे थे।

409, 467, 468, 470, 471, 34 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

जल का कोई विकल्प नहीं, इसे सिर्फ सहेजा जा सकता है

कलश यात्रा, जल स्रोत पूजन, श्रमदान और संगोष्ठी संपन्न

बैतूल। मुख्यमंत्री मोहन यादव एवं जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर के आन्धान पर जिला समन्वयक प्रिया चौधरी के निर्देशन में प्रस्फुटन समिति नसीराबाद एवं नवाकूर सागर ग्राम उत्थान महिला एवं बाल विकास समिति द्वारा ग्राम में जल कलश यात्रा, जल स्रोत पूजन, श्रमदान और जल संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान ब्लॉक समन्वय राजू मांडवे के मार्गदर्शन में ब्लॉक चिचोली में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत गंगा दशहरा के अवसर पर किया गया। जिसमें ग्राम नसीराबाद में कलश यात्रा एवं जल संगोष्ठी आयोजित की गई। इस मौके पर विकासखंड

समन्वयक राजू मांडवे द्वारा जल एवं जल स्रोत के संरक्षण पर चर्चा करते हुए कहा कि जल का कोई विकल्प नहीं है इसे सिर्फ सहेजा जा सकता है और व्यर्थ व्यय नहीं करना ही समाधान है। परामर्शदाता देवेन्द्र धोटे द्वारा भी जल संरक्षण को लेकर अपना व्याख्यान दिया गया। जल स्रोत कुएं का पूजन किया गया मंतर मीनाक्षी वागदे देवेन्द्र धोटे द्वारा जल कलश यात्रा का संचालन किया गया। शिव मंदिर में जल अर्पण कर पूजन किया गया। इस कार्यक्रम में मीनाक्षी वागदे, देवेन्द्र धोटे, प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष नेकराम यादव, इंद्रजीत सिंह कुशवाहा, सीएमसीएलडीपी स्टूडेंट एवं महिलाओं सहित ग्रामवासियों की सहभागिता रही।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने 'एयर एम्बुलेंस एमपी' पोर्टल एवं मोबाइल ऐप का किया शुभारंभ

● एयर एम्बुलेंस सेवा के लिए अनुरोध की प्रक्रिया अब और अधिक सरल एवं तेज गति से होगी संपन्न



भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में 'एयर एम्बुलेंस एमपी' पोर्टल एवं मोबाइल ऐप का शुभारंभ किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा राज्य सरकार की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसके तहत किसी भी नागरिक को समय पर उपचार के अभाव में जीवन न गंवना पड़े। नए पोर्टल एवं मोबाइल ऐप के माध्यम से एयर एम्बुलेंस सेवा के लिए अनुरोध की प्रक्रिया अब और अधिक सरल एवं तेज होगी। पोर्टल में एयर एम्बुलेंस फ्लीट की रियल टाइम ट्रैकिंग, सेवा अनुरोधों का सुगम डिजिटल प्रवाह, सेवा प्रदाताओं को तय्यता हेतु रियल टाइम नोटिफिकेशन तथा अनुमोदन प्राधिकारी को समयबद्ध स्वीकृति के लिए अलर्ट जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही पूरी प्रक्रिया में जवाबदेही भी सुनिश्चित की जाएगी। पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा गंभीर एवं आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को शीघ्र स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। प्रदेश में यह सेवा अब तक 140 जीवनरक्षक मिशनों को सफलतापूर्वक पूरा कर चुकी है। इनमें नवजात शिशुओं, हृदय रोग, ट्रॉमा, न्यूरोलॉजिकल आपात स्थितियों एवं अंग प्रत्यारोपण से जुड़े मामलों का सफल एयर मेंडिकल ट्रांसफर शामिल है। पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा के अंतर्गत आयुष्मान भारत कांडधारकों एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मरीजों को निःशुल्क एयर एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे स्वास्थ्य संस्थानों से दूरी एवं आर्थिक स्थिति जीवनरक्षक उपचार में बाधा नहीं बने। सेवा के संचालन के लिए भोपाल में 24x7 एयर मेंडिकल ऑपरेशन व्यवस्था स्थापित की गई है। इसके अंतर्गत एक फिक्स्ड विंग एयरक्राफ्ट बीच क्राफ्ट किंग एयर सी -90 तथा एक मल्टी इंजन हेलीकॉप्टर एडब्ल्यू -109 लगातार स्टैंडबाय पर उपलब्ध हैं, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री अशोक बर्णवाल, आयुक्त स्वास्थ्य श्री धनराजू एस, फ्लॉइडोला एविएशन के सीएमडी श्री एस. राम ओला और फ्लॉइडोला एविएशन की डायरेक्टर कॉर्पोरेट अफेयर्स डॉ. मोनिका तिवारी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

धार डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स कल्चर सोसायटी द्वारा खिलाड़ियों को दूध एवं केले वितरित

धार। धार डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स कल्चर सोसायटी के तत्वाधान में आयोजित 36वें ग्रीष्मकालीन शिविर में प्रतिदिन खिलाड़ियों को विभिन्न खेल एवं शारीरिक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शिविर में क्रिकेट, कराटे, किकबॉक्सिंग, फुटबॉल, ताइक्रांडो, फिजिकल एडिक्टिविटी एवं फिटनेस ट्रेनिंग नियमित रूप से करवाई जा रही है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एडवोकेट नंदकिशोर शर्मा एवं राजेंद्र राठौर उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा खिलाड़ियों को दूध एवं केले वितरित किए गए तथा बच्चों का उत्साहवर्धन किया गया।

संस्था के प्रमुख प्रदीप जोशी ने बताया कि शिविर में खिलाड़ियों के साथ कठोर राम सोलंकी, विजय सोलंकी, अनुरुद्ध चावड़ा, कुलदीप राजपूत एवं डिंपल परमार लगातार प्रशिक्षण दे रहे हैं। शिविर के माध्यम से बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास एवं



खेल भावना का विकास हो रहा है। खिलाड़ियों के स्वास्थ्य एवं ऊर्जा को ध्यान में रखते हुए सोसायटी द्वारा प्रतिदिन पौष्टिक आहार भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

प्रशिक्षकों द्वारा बच्चों को फिटनेस एवं खेलों के महत्व की जानकारी दी जा रही है। शिविर में विभिन्न संस्थाओं के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

शासकीय आईटीआई धार में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 के अंतर्गत 9 कोर्स के प्रशिक्षणार्थियों को टूलकिट वितरित

धार। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था धार में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (4.0) के अंतर्गत संचालित 9 कोर्स के प्रशिक्षणार्थियों के लिए, गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत योजना का लाभ ले रहे प्रशिक्षणार्थियों को पीएमकेवीवाई टूलकिट के अंतर्गत टीशर्ट एवं बैग वितरित किए गए। कार्यक्रम मुख्य रूप से शासकीय आईटीआई धार के



प्राचार्य रहलु मंडलोई के मार्गदर्शन और गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। टूलकिट वितरण के दौरान संस्था के प्राचार्य रहलु मंडलोई ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि, 'प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना का मुख्य उद्देश्य युवाओं को तकनीकी रूप से हुनरमंद बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। संस्था में युवाओं को उच्च स्तरीय कौशल प्रशिक्षण देने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।' ट्रेनिंग एंड

प्लेसमेंट ऑफिसर जितेन्द्र सिंह बदनोरा ने भी छत्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को उद्योगों में उपलब्ध प्लेसमेंट के बेहतरीन अवसरों, मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना तथा नेशनल अप्रेंटिसिप प्रमोशन स्क्रीम (2.0) की बारीकियों से अवगत कराया ताकि वे भविष्य में एक सफल करियर बना सकें। पीएमकेवीवाई किट पाकर सभी प्रशिक्षणार्थियों के चेहरों पर खुशी देखी गई

और उन्होंने इस कौशल विकास प्रशिक्षण के लिए संस्था का आभार व्यक्त किया। इस सफल आयोजन में आईटीआई धार के समस्त तकनीकी एवं प्रशासनिक स्टाफ का सहायता योगदान रहा। इस अवसर पर संस्था के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर जितेन्द्र सिंह बदनोरा सहित योजना से जुड़े समस्त विभागीय अधिकारी, प्रभारी एवं स्टाफ सदस्य विशेष रूप से मौजूद रहे।

आईटीआई धार के 23 प्रशिक्षणार्थियों का इफ्का लैबोरेट्रीज में चयन

आईआईटी की तर्ज पर शासकीय आईटीआई धार में प्री -प्लेसमेंट ड्राइव का सफल आयोजन; 23 प्रशिक्षणार्थियों को मिले नियुक्ति पत्र

धार। तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था धार ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। संस्थान के प्रशिक्षणार्थियों को देश की प्रतिष्ठित और धार जिले की अग्रणी फार्मास्यूटिकल कंपनी इफ्का लैबोरेट्रीज में रोजगार का सुनहरा अवसर मिला है। आईआईटी की तर्ज पर आयोजित इस विशेष प्लेसमेंट ड्राइव में कंपनी के प्रतिनिधियों द्वारा कड़े इंटरव्यू (साक्षात्कार) के माध्यम से 23 योग्य प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया गया। इस गरिमामयी अवसर पर संस्था के प्राचार्य रहलु मंडलोई द्वारा सभी सफल प्रशिक्षणार्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। चयनित प्रशिक्षणार्थियों को कंपनी के नियमानुसार

शुरुआत में सघन ट्रेनिंग दी जाएगी, और इस ट्रेनिंग व कार्य अनुभव के आधार पर भविष्य में इन्हें कंपनी में स्थायी होने का अवसर भी प्राप्त होगा। ड्राइव के दौरान कंपनी से विशेष रूप से पधार एचआर मैनेजर श्री गौरव शर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को कंपनी की कार्यपालनी से अवगत कराया और बताया कि संस्थान में कर्मचारियों को मिलने वाली अन्य सभी जरूरी सुविधाएं, लाभ और बेहतरीन कार्य परिवेश कंपनी द्वारा प्रदान किया जाएगा इस पूरी वृहद प्लेसमेंट ड्राइव का कुशल समन्वय संस्था के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर जितेन्द्र सिंह बदनोरा द्वारा किया गया। इस गरिमामयी और बड़े आयोजन को सफल बनाने में संस्था के वरिष्ठ अधिकारियों और स्टाफ का विशेष योगदान

रहा। इस ड्राइव के सफल संचालन में सतीश डोडिया, अनूप श्रुंगार, दर्शन सूर्यवंशी, प्रिया धाबोल्कर, हरिओम अहिरवार, संतोष साकेत, इनेश सोलंकी, रवि राय, सतीश विश्वकर्मा, दिनेश अहिरवार, सोलंकी, कृष्णा राजपूत सहित संस्था के समस्त प्रशिक्षण अधिकारियों का सहायनीय एवं विशेष सहयोग रहा। सभी के सम्मिलित प्रयासों से युवाओं को रोजगार दिलाने का यह अभियान पूर्णतः सफल रहा। इस गरिमामयी उपलब्धि पर प्राचार्य रहलु मंडलोई, टीपीओ जितेन्द्र सिंह बदनोरा एवं समस्त स्टाफ ने चयनित सभी 23 प्रशिक्षणार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल व आत्मनिर्भर भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।

जल संरक्षण मानवता की साझा जिम्मेदारी : शिवशेखर शुक्ला

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग अंतर्गत वीर भारत न्यास द्वारा भारत भवन, भोपाल में आयोजित सदाना समारोह 2026 के शुभारंभ अवसर पर संस्कृति विभाग के अपर मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ला ने कहा कि यह आयोजन जल, प्रकृति और मानव सभ्यता के संबंधों पर केंद्रित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय चिंतन-यात्रा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश जल संरक्षण और जल आत्मनिर्भरता की दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। भारतीय संस्कृति में जल जीवन, चेतना और सभ्यता का आधार है तथा सदाना समारोह परंपरागत ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के बीच संवाद का महत्वपूर्ण मंच बनेगा। सात दिवसीय समारोह में देश की प्रतिष्ठित संस्थाओं के विशेषज्ञों के साथ नौ देशों के राजनयिक प्रतिनिधि भी सहभागी हो रहे हैं। जल, पर्यावरण, नवीकरणीय ऊर्जा और सतत विकास पर केंद्रित यह आयोजन वैश्विक सहयोग और जनभागीदारी को नई दिशा प्रदान करेगा। इस अवसर पर जेके ट्रस्ट के सीएसआर प्रमुख राम भटनागर, प्रख्यात जलविद् राजेन्द्र सिंह, हिन्दुस्तान यूनीलिवर फाउंडेशन के सीईओ डॉ. श्रमण झा, आईजीआरएमएस के डायरेक्टर डॉ. अमिताभापंडे, आईआईएम बोधगया की

डायरेक्टर डॉ. विनिता सहय, वीर भारत न्यास के न्यासी सचिव श्रीराम तिवारी, यूनाइटेड कॉनसियसनेस के संयोजक डॉ. विक्रान्त सिंह तोमर उपस्थित थे। जलतत्व पर केंद्रित प्रथम सत्र को संबोधित करते हुए प्रख्यात जलविद् राजेन्द्र सिंह ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में जल को जीवन और सृष्टि के संतुलन का आधार माना गया है। जेके ट्रस्ट के सीएसआर प्रमुख राम भटनागर ने कहा कि मध्य प्रदेश में कॉर्पोरेट क्षेत्र की सहभागिता से ग्रामीण अंचलों में पशुओं के स्वास्थ्य, संरक्षण और संवर्धन को लेकर व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। हिन्दुस्तान यूनीलिवर फाउंडेशन के सीईओ डॉ. श्रमण झा ने कहा कि जल संरक्षण के लिए समर्पित बजट प्रावधान, जनभागीदारी, वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण तथा पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण पर बल दिया। आईजीआरएमएस के डायरेक्टर डॉ. अमिताभापंडे ने चिंता जतायी कि आज पानी को एक प्रोडक्ट की तरह उपयोग किया जा रहा है, जिससे उसका अनियंत्रित दोहन बढ़ रहा है। आईआईएम बोधगया की डायरेक्टर डॉ. विनिता सहय ने कहा कि भविष्य में पानी सबसे मूल्यवान संसाधन साबित होगा। इसलिए युवाओं को जल संरक्षण, पर्यावरण संतुलन और भारतीय जीवन-मूल्यों को अपनाकर

प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

प्रकृति को सम्मान देना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता : दूसरे सत्र पृथ्वी तत्व को संबोधित करते हुए जेके सीमेंट सीएसआर प्रमुख शिल्पा जायसवाल ने कहा कि विकास आवश्यक है, लेकिन वह प्रकृति के अनुकूल होना चाहिए। जलवायु परिवर्तन से महिलाएँ और युवा सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को छोटे-छोटे प्रयासों से प्रकृति को कुछ लौटाने का संकल्प लेना चाहिए।

प्रकृतिक संसाधन भावी पीढ़ियों की अमानत हैं : जेएसडब्ल्यू फाउंडेशन के सीईओ आर. पवित्र कुमार ने कहा कि मानव जीवन पंचतत्व-जल, वायु, अग्नि, पृथ्वी और आकाश-पर आधारित है। वर्तमान में उपयोग किए जा रहे प्राकृतिक संसाधन वास्तव में आने वाली पीढ़ियों से लिया गया उधार है, इसलिए उनका संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। ईको-टूरिज्म प्रकृति संरक्षण और आजीविका का प्रभावी माध्यम-सीईओ एल. कृष्णमूर्ति ने पर्यटन एवं ईको टूरिज्म विषय पर विचार रखते हुए कहा कि वन केवल बाघ देखने का स्थान नहीं, बल्कि जैव विविधता का जीवंत संसार हैं।

हिन्दी लेखिका संघ की ऑनलाइन गोष्ठी में जीवंत हुई लोक संस्कृति

भोपाल। 'हिन्दी लेखिका संघ, म.प्र. भोपाल' के तत्वावधान में 25 मई को गरिमायुक्त ऑनलाइन लोक बोली कविता पाठ गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न अंचलों की लोक बोलियों की मधुर गूंज सुनाई दी, जिसमें कवयित्रियों ने अपनी आंचलिक रचनाओं के माध्यम से माटी की सुगंध और लोक संस्कृति को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मांडवी सिंह द्वारा प्रस्तुत भोजपुरी सरस्वती वंदना से हुआ। संघ की अध्यक्ष डॉ. साधना गंगराड़े ने स्वागत वक्तव्य देते हुए अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विनीता राहुरीकर ने किया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार सुरेश कुशवाहा 'तन्मय' ने लेखिका संघ की सृजनात्मकता और विविध विषय चयन की सराहना करते हुए अपनी रचना भी प्रस्तुत की। अध्यक्षता कर रही वरिष्ठ साहित्यकार श्रीमती जनक

कुमारी सिंह बघेल ने मध्यप्रदेश की लोक बोलियों की उत्पत्ति, विकास और आत्मीयता पर प्रकाश डालते हुए बघेली रचना सुनाई। गोष्ठी में बुन्देली, निमाड़ी, मालवी, भोजपुरी, छत्तीसगढ़ी, भदावरी, बघेली और अवधी बोलियों की प्रभावी प्रस्तुतियाँ हुईं। बुन्देली में डॉ. संगीता भारद्वाज, श्रीमती सुनीता यादव, श्रीमती साधना श्रीवास्तव, डॉ. वंदना मिश्रा, डॉ. रेणु श्रीवास्तव, सुसंस्कृति सिंह, डॉ. मंजू मिश्रा एवं करुणा श्रीवास्तव ने काव्य पाठ किया। निमाड़ी में विभा भट्टेरी और डॉ. साधना गंगराड़े, मालवी में श्रीमती महिमा वर्मा एवं सरोज देवे, भोजपुरी में श्रीमती नमिता सेन आशा सिन्हा कपूर एवं सुधा गुप्ता (जबलपुर) ने रचनाएँ प्रस्तुत कीं। पूर्व अध्यक्ष उषा जायसवाल, कुंकुम गुप्ता एवं मालती बंसत भी कार्यक्रम में उपस्थित रहीं।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में

● दिल्ली में 28-29 मई को राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन, खरीफ की तैयारी को देंगे गति

● बीज, मौसम, बीमा, प्राकृतिक खेती और डिजिटल कृषि पर दो दिन चलेगा राष्ट्रीय विमर्श-शिवराज सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में 28 और 29 मई को नई दिल्ली के भारत रत्न सी. सुब्रमण्यम ऑडिटोरियम, इस्ट कॉम्प्लेक्स, पूना में नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एग्रीकल्चर फॉर खरीफ कैम्पेन 2026 का आयोजन होने जा रहा है, जो खरीफ सीजन की तैयारी, राज्यों के साथ समन्वय और किसान-केंद्रित नीति क्रियान्वयन को नई मजबूती देने वाला महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मंच बनेगा। सम्मेलन में दलहन, तिलहन, बागवानी, बीज, प्राकृतिक खेती, जलवायु-सहिष्णु कृषि, कृषि ऋण, फसल बीमा, डिजिटल एग्रीकल्चर और राज्यों के अनुभवों पर विस्तृत विचार-विमर्श होगा। अनेक राज्यों के कृषि मंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ही कृषि क्षेत्र से जुड़े विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि इसमें शामिल होंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर खरीफ 2026 के लिए देशव्यापी तैयारी की और अधिक प्रभावी, समन्वित तथा परिणामोन्मुख बनाने के उद्देश्य से कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 28-29 मई 2026 को नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एग्रीकल्चर फॉर खरीफ कैम्पेन 2026 आयोजित की जा रही है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार खरीफ 2026 को केवल एक मौसमी अभियान के रूप में नहीं, बल्कि उत्पादन वृद्धि, फसल विविधीकरण, जलवायु-सहिष्णु कृषि, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और किसान समृद्धि से जुड़े व्यापक राष्ट्रीय एजेंडे के रूप में देख रही है।

संक्षिप्त समाचार

शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना के तहत रायसेन में युवाओं को दिया जा रहा है 45 दिवसीय प्रशिक्षण

रायसेन (निप्र)। राज्य शासन द्वारा पिछड़ा वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभावान युवक-युवतियों को सैन्य बल एवं अन्य समकक्ष सुरक्षा बलों, पुलिस, होमगार्ड एवं निजी सुरक्षा एजेंसियों में भर्ती के लिए तैयार करने हेतु शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना-2026 प्रारंभ की गई है। इस योजना के तहत जिले के 87 बालक एवं 49 बालिकाओं को माता शबरी शासकीय कन्या शिक्षा परिसर रायसेन में 45 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पाठ्यक्रम में शौर्य संकल्प प्रशिक्षण, स्थायी शासकीय कन्या शिक्षा परिसर के सभागार में सभी प्रतिभागियों को पुलिस एवं सुरक्षा बल में भर्ती के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। डीएसपी श्री राजपूत ने अपने उद्बोधन में अनुशासन, नैतिक मूल्य, ईमानदारी की महत्ता बताते हुए प्रशिक्षण के निश्चित पाठ्यक्रम अनुसार पूर्ण उत्साह से प्रशिक्षण प्राप्त कर योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर माता शबरी शासकीय कन्या शिक्षा परिसर की अधीक्षिका श्रीमती लक्ष्मी परिहार भी उपस्थित रहीं।

सीहोर के शासकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में निशुल्क प्रवेश प्रारंभ

सीहोर (निप्र)। सीहोर के शासकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में अनुसूचित जाति वर्ग की छात्राओं के लिए प्रवेश प्रारंभ हो गए हैं। कक्षा 10वीं उत्तीर्ण छात्राएँ कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग ब्रांच अथवा मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट ब्रांच में प्रवेश ले सकती हैं। प्राचार्य डॉ. प्रमोद शर्मा ने बताया कि प्रवेश की सम्पूर्ण प्रक्रिया वेबसाइट dte.mponline.gov.in पर उपलब्ध है। छात्राओं को सर्वप्रथम 29 मई से पहले डॉ. बाबा साहब अंबेडकर योजनातर्गत डिप्लोमा पाठ्यक्रम में अपना पंजीयन कराना होगा एवं 15 से 02 जून के बीच ऑनलाइन ही कॉलेज के लिए च्याइंस फिलिंग करनी होगी। इसके साथ ही प्रवेश के लिए संस्था में अपने समस्त मूल प्रमाण पत्रों के साथ 08 से 13 जून के बीच उपस्थित होना होगा। छात्राओं को यदि एमपी ऑनलाइन कियोस्क से पंजीयन संबंधी कोई भी समस्या आती है तो छात्राएँ सीधे संस्था में आकर भी अपना पंजीयन करा सकती हैं। संस्था में प्रवेश पत्रांत: नि:शुल्क है, साथ ही छात्राओं को नि:शुल्क छात्रावास एवं भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। संस्था से सभी छात्राओं को पाठ्यपुस्तकें और स्टेशनरी की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है तथा जिन छात्राओं की उपस्थिति कक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक होगी उन्हें प्रतिमाह 1000 रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

ग्राम वर्धा में जनगणना कार्य का औचक निरीक्षण, अधिकारियों ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा

विदिशा (निप्र)। जनगणना-2027 के अंतर्गत जिले में संचालित जनगणना कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति सुनिश्चित करने हेतु जिला कार्यालय से जनगणना पर्यवेक्षक सुश्री दीक्षा केसरवानी एवं तहसीलदार श्रीमती प्रेमलता पाल द्वारा ग्राम वर्धा में जनगणना कार्य का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जनगणना कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे मकान सूचीकरण एवं परिवार संबंधी आंकड़ों के संकलन कार्य का अवलोकन किया। उन्होंने निर्धारित प्रयोजन के अनुसार जानकारी दर्ज किए जाने, रिकॉर्ड संधारण तथा कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मेरा युवा भारत रायसेन द्वारा आकाशवाणी, दूरदर्शन एवं प्रसारण प्रणाली पर अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम आयोजित

रायसेन (निप्र)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत रायसेन द्वारा युवाओं के लिए आकाशवाणी, दूरदर्शन एवं प्रसारण प्रणाली विषय पर अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने रेडियो प्रसारण, दूरदर्शन ब्रॉडकास्टिंग, मल्टीमीडिया टेक्नोलॉजी तथा जनसंचार के विभिन्न आयामों की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में रायसेन जिले के रेडियो स्टेशन रेडियो सेहर 89.6 के संचालक श्री विपिन यादव द्वारा प्रतिभागियों को रेडियो स्टूडियो की कार्यप्रणाली, ऑडियो रिकॉर्डिंग, लाइव ब्रॉडकास्टिंग, कैमरा संचालन, मल्टीमीडिया उपकरणों के उपयोग एवं प्रसारण तकनीकों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। युवाओं ने स्टूडियो विजिट के माध्यम से यह समझा कि समाचार, जनहित संदेश एवं विभिन्न कार्यक्रम किस प्रकार तैयार होकर जनता तक पहुंचते हैं। इस अवसर पर युवाओं को जनसंचार कोशल के महत्व के



बारे में भी जानकारी दी गई। श्री सचिन यादव ने बताया कि वर्तमान डिजिटल एवं तकनीकी युग में मीडिया, संचार एवं मल्टीमीडिया तकनीक से जुड़े कौशल युवाओं के व्यक्तिगत विकास, रोजगार एवं सामाजिक जागरूकता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों में संचार क्षमता, प्रस्तुतीकरण कौशल, टीमवर्क एवं तकनीकी समझ विकसित करने का प्रयास किया गया। युवाओं ने इस अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाने की अपेक्षा व्यक्त की।

मां नर्मदा पूजन, कलश यात्रा और जल संरक्षण शपथ के साथ संपन्न हुआ कार्यक्रम

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान बना जनआंदोलन : प्रभारी मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर

सीहोर (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत गंगा दशहरा के अवसर पर सीहोर जिले के नर्मदा अवलीघाट पर जिला स्तरीय जल संरक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग मंत्री एवं जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि जल सृष्टि का आधार है और बिना जल के जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। जल ही जीवन को संतुलन और समृद्धि प्रदान करता है। यदि आज जल संरक्षण के प्रति गंभीर प्रयास नहीं किए गए तो आने वाली पीढ़ियों को जल संकट जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। इसलिए जल की प्रत्येक बूंद का संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जल

जल है जीवन का आधार, संरक्षण में हर नागरिक की भागीदारी जरूरी : प्रभारी मंत्री गौर

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान बना जनआंदोलन : प्रभारी मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर



संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है। गांव तथा नगरों में नदी, तालाब, बावड़ी, कुएँ और पोखरों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए जाने की आवश्यकता है। जल गंगा संवर्धन अभियान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में जन आंदोलन बन गया है और इसके सार्थक परिणाम दिखाई दे रहे

हैं और सामूहिक सहभागिता से ही इस दिशा में सकारात्मक परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि गुड़ी पड़वा से प्रारंभ हुआ जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून तक संचालित किया जा रहा है। इस अवधि में सीहोर जिले में अभियान को जन आंदोलन के रूप में संचालित करते हुए आम नागरिकों को व्यापक रूप से जोड़ा गया है तथा जल संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की गई हैं। कार्यक्रम के आरंभ में प्रभारी मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने मां नर्मदा की पूजा-अर्चना की तथा कलश यात्रा में शामिल हुईं। कार्यक्रम के समापन अवसर पर उन्होंने उपस्थित नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्री राजेंद्र सिंह राजपूत तथा जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जन यादव ने भी संबोधित किया।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविर में 486 गर्भवती महिलाओं की जांच, 233 हाई रिस्क मिली



बैतूल (निप्र)। गर्भावस्था से संबंधित जटिलताओं का पता लगाने और समय रहते उनका उपचार सुनिश्चित कर सुरक्षित प्रसव करवाने के लिए प्रतिमाह 9 एवं 25 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन किया जाता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि सोमवार को जिले में आयोजित प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविर में 486 गर्भवती महिलाओं की जांच एवं 233 हाई रिस्क चिन्हित, 52 सोनोग्राफी की गई। शिविर में सभी

महिलाओं की खून की जांच एवं जीडीएम की जांच की गई। उन्होंने बताया कि जिला चिकित्सालय बैतूल में आयोजित शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. वंदना थाकड़ द्वारा 76 गर्भवती महिलाओं की चिकित्सकीय जांच की गई, जिसमें 16 गर्भवती महिलाओं को हाई रिस्क के रूप में चिन्हित किया गया, वहीं 52 गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी की गई। सिविल अस्पताल आमला में महिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. ईवान जेम्स द्वारा 34 गर्भवती महिलाओं की जांच जिसमें हाई रिस्क 15 महिला पायी गई। सामुदायिक स्वास्थ्य

केन्द्र घोड़ाडोंगर में स्त्री रोग चिकित्सक (पीजीएमओ) डॉ. कविता कोरी द्वारा 51 गर्भवती महिलाओं की जांच जिसमें 36 हाई रिस्क महिलाओं की जांच की गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भैंसदेही में डॉ. व्योमा वर्मा एवं डॉ. रेशमा खान द्वारा 18 गर्भवती महिलाओं की जांच जिसमें 15 हाई रिस्क महिलाएं पायी गईं। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुलताई में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ. सरिता कालभोर द्वारा 44 गर्भवती महिलाओं की जांच जिसमें 29 हाई रिस्क महिलाएं पाई गईं। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चिचोली में चिकित्सा अधिकारी डॉ. राहुल देशमुख 35 गर्भवती महिलाओं की जांच जिसमें हाई रिस्क 24 महिलाएं पायी गईं। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सेहरा में चिकित्सा अधिकारी डॉ. नीलम महाजन 86 गर्भवती महिलाओं की जांच जिसमें 13 हाई रिस्क महिलाएं हाई रिस्क पायी गईं। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र आठनेर में डॉ. प्रीति नरवरे द्वारा 35 गर्भवती महिलाओं की जांच जिसमें 15 हाई रिस्क महिलाएं पायी गईं। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शहदपुर में चिकित्सा अधिकारी डॉ. सोनू गोंड द्वारा 50 गर्भवती महिलाओं की जांच जिसमें 45 हाई रिस्क महिलाएं पायी गईं। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भीमपुर में डॉ. श्रितिज पंचोली द्वारा 32 गर्भवती महिलाओं की जांच जिसमें 13 हाई रिस्क महिलाएं पायी गईं।

किसानों को योजनाओं, आधुनिक तकनीकों और आत्मनिर्भर खेती के लिए किया गया जागरूक

कृषि रथ के समापन दिवस पर नटेरन में वृहद कृषक संगोष्ठियां आयोजित

विदिशा (निप्र)। कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत जिले में संचालित कृषि रथ अभियान के समापन दिवस पर विकासखंड नटेरन के ग्राम एचदा, खडेर एवं जोगी किरौदा में वृहद कृषि कल्याण शिविर एवं कृषक संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में आयोजित इन शिविरों में कृषि एवं संबद्ध विभागों के अधिकारियों ने किसानों को विभिन्न योजनाओं, तकनीकों एवं शासन की प्राथमिकताओं की जानकारी प्रदान की। शिविर में कृषि अधिष्ठात्रीकी विभाग से एम.पी. स्टेट एग्री के जिलाधिकारी श्री मनोहर उडके सहित कृषि, उद्यानिकी एवं अन्य विभागों के खंड स्तरीय अधिकारियों ने सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों तक शासन की योजनाओं की



जानकारी पहुंचाना, कृषि को लाभकारी व्यवसाय के रूप में विकसित करना तथा किसानों की आय बढ़ाने के प्रयासों को गति देना रहा। योजनाओं के शत-प्रतिशत क्रियान्वयन पर जोर

शिविर के दौरान अधिकारियों ने किसानों को कृषि एवं संबद्ध विभागों की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने किसानों से समय पर पंजीयन कराने, आधुनिक

कृषि तकनीकों को अपनाने तथा शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने का आग्रह किया। साथ ही मैदानी अमले को भी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं लक्ष्य पूर्ति के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में किसानों की समस्याएँ भी गंभीरता से सुनी गईं और संबंधित विभागों द्वारा उनके निराकरण के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। किसानों को उन्नत खेती, फसल प्रबंधन एवं कृषि संसाधनों के बेहतर उपयोग के संबंध में भी जानकारी दी गई। कृषक कल्याण वर्ष के उद्देश्य बताए गए विकासखंड तकनीकी प्रबंधक श्री नरेंद्र सिंह रघुवंशी ने बताया कि राज्य शासन द्वारा वर्ष 2026 को 'कृषक कल्याण वर्ष' के रूप में मनाने का निर्णय किसानों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। उन्होंने

बताया कि इस अभियान के तहत कृषि उत्पादन बढ़ाने, उन्नत बीजों के उपयोग, आधुनिक तकनीकों को अपनाने, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, मृदा स्वास्थ्य परीक्षण, फसल बीमा तथा प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शासन का उद्देश्य किसानों को योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंचाकर खेती की लागत कम करना और किसानों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों तक पहुंच रही जानकारी क्षेत्रीय कृषि विस्तार अधिकारी श्री अभिषेक जैन ने बताया कि कृषि, पशुपालन एवं अन्य संबद्ध विभागों के समन्वय से विशेष शिविर, प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

राइट विलक

जिस नतीजे पर परीक्षार्थियों को ही भरोसा न हो, उसका क्या औचित्य है?



अजय बोकर

लेखक सुबह सवरे के कार्यकारी प्रधान संपादक हैं।
संपर्क-
9893699939
ajayborkar@gmail.com

देश में मेडिकल में प्रवेश के लिए 'नीट' परीक्षा में पेपर लीक का विवाद थमा भी नहीं था कि अब सीबीएसई की नई ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली संदेह के घेरे में आ गई है। जिस भारी संख्या में असंतुष्ट परीक्षार्थी पुनर्मुल्यांकन, स्कैन कॉपी और मार्क्स वेरीफिकेशन की मांग कर रहे हैं, उससे तो इस परीक्षा की प्रमाणिकता पर ही प्रश्न चिन्ह लग रहा है। परीक्षार्थियों के अलावा उनके अभिभावक भी परेशान हैं। नतीजों में गड़बड़ी का यह सबसे बड़ा घोटाला होता दिख रहा है। क्योंकि सीबीएसई की 12वीं बोर्ड परीक्षा में देश भर के 17 लाख 68 हजार परीक्षार्थी बैठे थे। इनमें से 4 लाख से ज्यादा यानी एक चौथाई परीक्षार्थियों ने अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की जांच और मार्किंग पर संदेह जताते हुए पुनर्मुल्यांकन और स्कैन कॉपी की मांग की है। हालांकि रिवल्यूएशन के आवेदन आना कोई नई बात नहीं है, लेकिन उनकी संख्या तुलनात्मक रूप से काफी कम होती है। इस बार तो उत्तर पुस्तिकाओं की जांच और मार्किंग में गड़बड़ी और गलत कॉपी स्कैनिंग में लाखों बच्चों के भविष्य पर सर्वाध्याय निशान लगा दिया है। जिनके मार्क्स अपेक्षा से बहुत कम आए हैं वो सबसे ज्यादा परेशान हैं। शिकायतों का आलम यह है कि सीबीएसई का पोर्टल बार-बार क्रैश हो रहा है। शिकायतकर्ता परीक्षार्थियों का कहना है कि ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) के कारण उनके नंबर अपेक्षा से बहुत कम आए हैं। दरअसल ओएसएम एक डिजिटल इवैल्यूएशन प्रोसेस है। इसमें कॉपी को स्कैन करके कंप्यूटर स्क्रीन पर चेक किया जाता है। सबसे पहले आंसर शीट को हार्ड-स्पीड

स्कैनर से स्कैन किया जाता है फिर डिजिटल फॉर्मेट यानी पीडीएफ अथवा इमेज में बदला जाता है। स्कैन कॉपीयों को सिक्वोर साफ्टवेयर पर अपलोड किया जाता है। कॉपी चेक करने वाले टीचर लैपटॉप या टैबलेट पर लॉगिन करके स्क्रीन पर ही आंसर देखते हैं और डिजिटल पेन या माउस से मार्क्स देते हैं। सिस्टम खुद ही मार्क्स जोड़ता है और दावा है कि इसमें टोटलिंग एर नहीं होता। बताया जाता है कि ऑनलाइन कॉपी जांचने वाले कई शिक्षकों ने स्कैन की गई आंसर शीट्स के ब्लर (अस्पष्ट) होने और तकनीकी समस्याओं को लेकर शिकायतें की थीं। लगता है कि ब्लर कॉपीयों को पढ़े बिना ही अंदाज से नंबर दे दिए गए। नुकसान मेधावी विद्यार्थियों का हो गया। परीक्षार्थियों ने बड़े पैमाने पर भुगतान संबंधी दिक्कतों, धुंधली स्कैन कॉपीयों, गायब पन्नों और यहां तक कि गलत उत्तर पुस्तिकाएं अपलोड होने जैसी समस्याओं की शिकायत की है। हालांकि सीबीएसई का दावा है कि ओएसएम तकनीक पूरी तरह सुरक्षित और पारदर्शी है। लेकिन जिस बड़े पैमाने पर इसमें गड़बड़ियां सामने आ रही हैं, उससे कुछ गंभीर सवाल उठ रहे हैं। पहला तो यह कि जब कॉपी की डिजिटल चेकिंग की व्यवस्था की विश्वसनीयता पूरी तरह से प्रमाणित नहीं हो जाती, तब इसे इतनी जल्दबाजी में लागू करने का मकसद क्या था? शिक्षा व्यवस्था का आधुनिकीकरण हो, इसमें दो राय नहीं, लेकिन नई व्यवस्था लागू करने के पहले उसकी प्रमाणिकता की पुष्टि कर लेने की जिम्मेदारी किसकी है? और यह व्यवस्था सीधे 12 बोर्ड में लागू करने का तुलनात्मक निर्णय लेने का क्या मतलब है? यह सिस्टम भी

परीक्षा के एक महीने पहले ही लागू किया गया। समझदारी तो इसी में थी कि पहले इसे पायलेट प्रोजेक्ट के तौर पर किसी एक ज़ोन में बिना बोर्ड परीक्षा वाली किसी बलास की लोकल परीक्षा में लागू कर इसकी खामियों को समझकर उन्हें दूर किया जाता और फिर धीरे-धीरे उसे समूची बोर्ड परीक्षा में लागू किया जाता। हैरानी की बात तो यह है कि वेदांत श्रीवास्तव जैसे 12वीं के परीक्षार्थी ने अपनी स्कैन कॉपी ही गलत बताई और सीबीएसई ने अपनी गलती मान ली तो भी उसे सोशल मीडिया में 'पाकिस्तानी' कह कर ट्रोल किया गया। इस मामले ने राजनीतिक तूल भी पकड़ लिया। राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल जैसे नेताओं ने आरोप लगाया है कि इस सिस्टम में गड़बड़ी की वजह से 12 बोर्ड की उत्तीर्ण दर में 3.19 प्रतिशत की गिरावट आई है। गौरतलब है कि स्कूली शिक्षा में 12वीं बोर्ड परीक्षाएं बच्चों के भविष्य की दिशा और नींव तैयार करती हैं। अगर उसी में भारी धांधली हो और उस धांधली का घुमा-फिराकर बचाव किया जाए तो लोग किस पर भरोसा करें? भारत में अभी तक हाथ से लिखी उत्तर पुस्तिकाएं परीक्षकों द्वारा मैन्युअली जांचने की ही परंपरा रही है। खामियां उसमें भी रही हैं, फिर भी तुलनात्मक रूप से यह व्यवस्था सर्वमान्य रही है, क्योंकि उसमें मनुष्य का विवेक केन्द्र में रहता है। सीबीएसई ने उत्तर पुस्तिकाओं की तेजी से, ज्यादा तकनीकी और कथित रूप से पारदर्शी तरीके से कराने के नाम पर जो कुछ किया है, उससे तो पूरे सिस्टम की

प्रमाणिकता और निष्पक्षता पर ही सवालों के घेरे में है। शिक्षा प्रणाली में बदलते जमाने के हिसाब से आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल हो, इससे कोई इंकार नहीं कर सकता। आज दुनिया के सी देशों में डिजिटल वेल्युएशन सिस्टम लागू है। लेकिन उसे लागू करते समय पूरी सावधानियां बरती जाती हैं और उसे फुलपूफ बनाया जाता है। लेकिन लगता है कि सीबीएसई ने इसे तुलनात्मक अंदाज में और वो भी सीधे और 12वीं बोर्ड जैसी अत्यंत महत्वपूर्ण परीक्षा में लागू कर दिया। जबकि केन्द्रीय विद्यालयों के शिक्षक संघों ने पहले ही आगाह कर दिया था कि नए सिस्टम को लेकर शिक्षकों को पर्याप्त प्रशिक्षण नहीं दिया गया है। नई व्यवस्था को हड़बड़ी में लागू करने का नतीजा है कि इस बार सीबीएसई की 98 लाख 60 हजार उत्तर पुस्तिकाओं में से 11 लाख 31 हजार कॉपीयों के मार्क्स वेरीफिकेशन के आवेदन आ चुके हैं। यह सिलसिला अभी थमा नहीं है। जिस नतीजे पर परीक्षार्थी को ही भरोसा नहीं है, उसका क्या औचित्य है? सीबीएसई नतीजों पर मंचे देशव्यापी बवाल के बाद केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मनंद प्रधान ने इसे गंभीरता से लेते हुए ओएसएम सिस्टम की प्रमाणिकता की जांच आईआईटी मद्रास और कानपुर के विशेषज्ञों से कराने की घोषणा की है, लेकिन जिन बच्चों का नुकसान हो गया है, उनका क्या? व्यवस्था को सुधारने, तेज और पारदर्शी बनाने के नाम पर सीबीएसई ने लाखों बच्चों के भविष्य के साथ जो खिलवाड़ किया है, उसका जिम्मेदार कौन है?

लगा करियर खत्म हो रहा

...तब मोदी का फोन आया

पीएम ने कहा- सीएम नहीं, अपने शिवराज से बात कर रहा हूँ, 'अपनापन' किताब के 10 किस्से



समीक्षा

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के विभिन्न विषयों की समीक्षा की।

पीएम सूर्य घर योजना

39 हजार 975 उपभोक्ताओं के खातों में पहुंची 311 करोड़ से अधिक की सब्सिडी

भोपाल (नप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्रान्तर्गत आने 16 जिलों में पीएम सूर्यघर योजना के तहत अब तक कुल 39 हजार 975 उपभोक्ता पंजीकृत हुए हैं। इनके खातों में 311 करोड़ 64 लाख से अधिक की राशि सब्सिडी के रूप में जमा कराई जा चुकी है। कंपनी ने कहा है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन उपरांत विद्युत वितरण कंपनी में रजिस्टर्ड अधिकृत वेंडर से ही सौर ऊर्जा संयंत्र लगावाए। गौरतलब है कि इस योजना में एक किलोवॉट सोलर संयंत्र लगाने पर 30 हजार रुपये, दो किलोवॉट सोलर संयंत्र लगाने पर 60 हजार रुपये तथा तीन किलोवॉट या उससे अधिक के सोलर संयंत्र स्थापना पर 78 हजार रुपये की सब्सिडी केन्द्र सरकार द्वारा दी जा रही है। कहा करे आवेदन- पीएम सूर्यघर योजना का शुभारंभ 13 फरवरी 2024 को हुआ था। योजना में शामिल होने के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। जिसके लिए पीएम सूर्य घर योजना की वेबसाइट

pmsuryghar.gov.in पर जाकर आवेदन किया जा सकता है। इसके अलावा अधिक जानकारी के लिए कंपनी की वेबसाइट portal.mpcz.in अथवा उषाय ऐप, वॉट्स ऐप चेटबॉट व टोल फ्री नं., 1912 पर भी संपर्क किया जा सकता है। कंपनी ने कहा कि उपभोक्ताओं को समय पर सब्सिडी मिले इसके लिए वेंडर और उपभोक्ता दोनों को ध्यान रखना होगा कि उनके बैंक खाते में नाम, आधार कार्ड में नाम तथा बिजली बिल में नाम एक समान होना चाहिए। गौरतलब है कि 1 दिसंबर 2024 से स्थापित होने वाले प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत सौर संयंत्रों में केवल स्मार्ट मीटर ही लगाए जा रहे हैं, जो कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा एस.ओ.आर. रेट पर उपभोक्ताओं को प्रदान किए जा रहे हैं। इससे उपभोक्ताओं द्वारा सोलर वेंडर को किफ जाने वाले भुगतान में लगभग 6 से 8 हजार रुपये तक की कमी परिलक्षित हो रही है।

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने 35 साल के अनुभवों पर एक किताब लिखी है। 'अपनापन : नरेंद्र मोदी संग मेरे अनुभव' नाम की किताब का विमोचन दिल्ली में मंगलवार (26 मई) को पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा और पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने किया।

शिवराज की इस किताब में कई चौंकाने वाली बातें हैं। एक किस्सा 2023 के विधानसभा चुनाव के वक्त का है। इस दौरान शिवराज सिंह चौहान के राजनीतिक करियर को लेकर विपक्ष तेजी से मुद्दा बना रहा था।

इस बीच पीएम मोदी का उनके पास कॉल आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि मैं मुख्यमंत्री से नहीं, अपने शिवराज से बात कर रहा हूँ। इस किताब में शिवराज ने पहलगायत हमला, कोरोना काल, 1990 के दशक की कई बातों को शामिल किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकर्ताओं के प्रति प्रेम, संगठन के प्रति निष्ठा और अपने अनुभवों को खासतौर पर बताया है।

जब शिवराज को आया पीएम मोदी का फोन शिवराज लिखते हैं कि 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा की पहली सूची जारी हुई, लेकिन उसमें शिवराज सिंह चौहान का



मंत्री राजेश शुक्ला ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में कार्यकर्ताओं से किया संवाद

कार्यकर्ताओं से संवाद कर जनसमस्याओं का किया त्वरित समाधान

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन के मंत्री श्री राजेश शुक्ला ने बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद किया। मध्यप्रदेश शासन के मंत्री श्री राजेश शुक्ला ने प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजनों से संवाद कर उनकी जनसमस्याओं का त्वरित समाधान किया। जिन समस्याओं का तत्काल समाधान नहीं किया जा सका, उन्हें संबंधित विभागों को निराकरण के लिए भेजा गया है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए उनकी कठिनाइयों को समझा और उन्हें जल्द से जल्द समाधान दिलाने का आश्वासन दिया।



सिस्टम ने ली जान!

शयोपुर कलेक्टर की जनसुनवाई में बुजुर्ग ने खाया सल्फास, मौत नहीं हो रही थी शिकायत पर सुनवाई

शयोपुर (नप्र)। मध्य प्रदेश में मंगलवार के दिन कलेक्टर में जनसुनवाई होती है। शयोपुर में एक बुजुर्ग अपनी दुकान छुड़वाने के लिए लगातार सरकारी व्यक्तियों का चक्रा करत रहा था। उसके मामले में कही सुनवाई नहीं हो रही थी। मंगलवार को वह शयोपुर कलेक्टर में पहुंचा और सल्फास खा लिया। इसके बाद जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां मौत हो गई।

तीन बार मैं आ चुका हूँ... मृतक का नाम देवेन्द्र गोयल है। उन्होंने मौत से पहले कहा कि मैं तीन महीने में तीन बार आ चुका हूँ लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इस घटना से शयोपुर प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है।

दुकान पर है कब्जा- देवेन्द्र गोयल के पास सब्जी मंडी के पास दुकान है। उनकी दुकान पर छोटे भाई की पत्नी और बेटे ने 28 फरवरी को कब्जा कर लिया था। इसके बाद देवेन्द्र ने दो मार्च से लेकर 26 मई तक कई बार लिखित शिकायत दी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। कलेक्टर के अनुसार मेरे सामने केस आज ही सामने आया है। दुकान का पारिवारिक विवाद था।

शहडोल का खूंखार हाथी ई-5 निकला दिलफेंक नशे के इंजेक्शन पर भी बना रहा बेकाबू हथिनी के सामने आते ही हुआ शांत

शहडोल (नप्र)। मध्य प्रदेश के शहडोल-अनुपपुर वन क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से आतंक मचाने वाले एक अकेले जंगली हाथी न ई-5 को वन विभाग की टीम ने सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया है। इस हाथी पर तीन ग्रामीणों को कुचलकर मारने, मवेशियों पर हमला करने और कई घरों को तबाह करने का आरोप था।

लेकिन इस हाई-रिस्क रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान जो खुलासा हुआ, उसने वन्यजीव विशेषज्ञों को भी हैरान कर दिया। अधिकारियों के मुताबिक, यह हाथी स्वभाव से हिंसक नहीं था, बल्कि अपना झुंड छत्तीसगढ़ लौट जाने के कारण अकेलेपन और गहरे तनाव यानी डिप्रेशन से जूझ रहा था।

जब रामा के सामने आते ही पिघल गया

इस खतरनाक ऑपरेशन में सबसे बड़ा और जादुई मोड़ तब आया जब बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से रामा नाम की एक प्रशिक्षित कैप एलीफेंट को मैदान में उतारा गया। अमूमन जंगली हाथी इंसानों या अन्य हाथियों को देखकर हमलावर हो जाते हैं, लेकिन ई-5 ने जैसे ही रामा को देखा, उसका व्यवहार पूरी तरह बदल गया। वह दो बार खुद चलकर रामा के करीब आया और बेहद शांति से उससे बात करने की कोशिश की। वन्यजीव एक्सपर्ट्स समझ गए कि यह हाथी हमला नहीं, बल्कि सामाजिक जुड़ाव तलाश रहा था।



पहली कोशिश फेल होने के बाद रातों-रात बदली रणनीति- मुख्य वन्यजीव वार्डन डॉ. समिता राजौरा और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में यह बड़ा ऑपरेशन चलाया जा रहा था। 22 मई को हाथी को बेहोश करने की पहली कोशिश नाकाम रही थी, क्योंकि ई-5 ने पिंजरे और जीपीएस कॉलर को तोड़ दिया था। इसके बाद वन विभाग ने रातों-रात अपनी रणनीति बदली। पालतू हाथियों और माहूतों की मदद से अगले दिन उसे सफलतापूर्वक रेंडियो-कॉलर पहनाया गया और बांधवगढ़ रेंज में शिफ्ट कर दिया गया। अब उसे एक दूसरे हाथी के झुंड के करीब रखा गया है, ताकि वह दोबारा अपनी सामान्य जिंदगी जी सके।

रीवा में डायल-112 गाड़ी में मंगवाई जा रही थी बीयर

वीडियो वायरल होते ही एडिशनल एसपी ने लिया एक्शन

रीवा (नप्र)। मध्य प्रदेश के रीवा जिले से पुलिस महकमे को अचोभित करने वाला एक मामला सामने आया है। गोवर्धन इलाके में एक शराब दुकान के पास खड़ी डायल-112 में ऑन-ड्यूटी तैनात पुलिसकर्मियों के लिए कथित तौर पर शराब और बीयर पहुंचाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। इस वीडियो के सामने आने के बाद आम जनता ने पुलिस की कार्यप्रणाली और आपातकालीन सेवाओं की गंभीरता पर गंभीर सवाल उठाए। मामले का संज्ञान लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों ने तुरंत प्रारंभिक जांच बैठाई और दोषी पाए गए कांस्टेबल को सस्पेंड कर दिया।

तीसरी आंख में कैद हुई करतूत- दरअसल, सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो में साफ दिख रहा था कि एक शराब दुकान की दुकान से बीयर और शराब की बोतलें लेकर पास ही खड़ी डायल-112 गाड़ी की तरफ जा रहा है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि यह शराब गाड़ी के अंदर मौजूद ऑन-ड्यूटी स्टाफ के लिए मंगवाई गई थी। शुरुआती जांच के बाद इस पूरे मामले में डायल-112 यूनिट में तैनात कांस्टेबल समन पटेल को भूमिका संदिग्ध पाई गई, जिसके बाद मंगलवार को उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

सतना में बंद कमरे में मिले दंपति के शव

पतिको फंदे पर देखहार्ट अटैक आनेकी आशंका हत्याके बाद सुसाइडके एंगल से भी जांच

सतना (नप्र)। सतना जिले के तिवनी गांव में बुधवार सुबह 9 बजे एक दंपति के शव उनके ही घर के कमरे में मिलने से सनसनी फैल गई। 45 वर्षीय रामनिवास कोरी फांसी पर लटका मिला, जबकि 43 वर्षीय पत्नी शकुंतला की लाश तख्त पर पड़ी थी। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था और मौके पर खून या शरीर पर बाहरी चोट के कोई निशान नहीं मिले हैं। पुलिस और एफएसएल टीम आशंका जता रही है कि पति ने पहले पत्नी की गला घोटकर हत्या की और फिर जान दे दी, या फिर पति को फंदे पर देखकर पत्नी की हार्ट अटैक से मौत हुई है।

खेत से लौटे पिता ने पीछे का दरवाजा खोला- मृतक के पिता मंगल कोरी ने बताया कि वे मंगलवार रात खेत गए थे और बुधवार सुबह करीब 8 बजे घर लौटे। काफी आवाज लगाने पर जब बेटे-बहू ने कोई जवाब नहीं दिया, तो उन्होंने पड़ोसी को बुलाकर किसी तरह पीछे का दरवाजा खोला। अंदर का खौफनाक मंजर देखकर उनकी चीख निकल गई। शोर सुनकर घर की छत पर सहा 18 वर्षीय बेटा जीशू और अन्य ग्रामीण भी मौके पर जुट गए।